स्कूल एरा

AGE OF EDUCATION

विद्यार्थियों के लिए उपयोगी

मासिक

सद्गुरु को समर्पित

• वर्ष 13 • अंक 07 • जूलाई 2025

विषय–सूची

क्र.स.	विषय	पृ. सं.
01	धर्म समाज एवं देश को मजबुत करता है।	05
02	छोड़ देना भी एक कला है	06
03	खबरें स्कूल की	07–25
04	Campus Interview : D.A.V Public School Hehal Ranchi	26
05	आघातः एक अनचाहा मेहमान जो हमारे जीवन में चुपचाप बस जाता है	28
06	अकेले बैठनाः एक आत्मिक संगति या अकेलापन?	29
07	डिग्रियां जो बन सकती हैं सुपरहिट कैरियर की गारंटी	29–30
08	बेहतर 'ईक्यू' सफलता में मददगार– कार्पोरेट जॉब्स	32
09	उम्दा संभावनाओं के साथ सेवा का पेशा – व्यवहार चिकित्सक	34–36
10	क्रिएटिविटी के साथ शानदार कमाई वाला पेशा–रचनात्मक लेखन	36–38
11	योग में शिक्षा और शिक्षा में योग	40
12	Utility of Yoga in Ancient and Modern Era	41–43
13	Choice between "Get up" and "Give up"	44–45
14	कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का मानव जीवनशैली पर प्रभाव	46

- चीफ एडीटर : एन के मुरलीधर
- एडीटर : सुनील कुमार श्रीवास्तव
- एक्ज्यूटिव एडीटर : बृजमोहन ओझा
- चीफ मैनेजिंग एडीटर : प्रशांत झा
- मैनेजिंग एडीटर : रंधीर कौशिक
- उप संपादक : उषा श्रीवास्तव
- पृष्ठ सज्जा : अजय कुमार एवं अंकित कुमार
- रांची ब्यूरो रिपोर्टर : डॉ. शीतल कुमारी
- हजारीबाग ब्यूरो : सोनी सिन्हा
- कोडरमा ब्यूरो : मनोज पाण्डे

प्रधान कार्यालय : गया प्रसाद भवन, विद्यानगर, हरमू रोड, रांची : 834002

प्रबंधन : 9835163660 8340318751

नगर कार्यालय : 2रा तल्ला खादीग्राम उद्योग भवन, अल्बर्ट एक्का चौक, मेन रोड, रांची,

संपादकीय : 9934345750, 9334975960, Regn. No. : JHABIL/2015/74404, Editorial : nkurlidhar@gmail.com,

www.schoolera.co.in | Email:manoj101067@gmail.com, manojphoto4u@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, **मनोज कुमार श्रीवास्तव** द्वारा अन्नपूर्णा प्रेस एण्ड प्रोसेस 5, मेन रोड, अपोजिट बिग बाजार, रांची – 834001 झारखण्ड से मुद्रित व आकांक्षा पब्लिकेशन, गया प्रसाद भवन, गया प्रसाद लेन, विद्यानगर, हरमू, रांची–834002 झारखण्ड से प्रकाशित। संपादक सुनील कुमार श्रीवास्तव। **किसी भी वाद के लिए रांची क्षेत्र ही वाद का क्षेत्र होगा। उपर्युक्त सभी पद स्वैच्छिक और अवैतनिक है।**

₹30

मार्गदर्शक प्राचार्यगण एवं विद्वतजन

■ डॉ. एस.डी.सी नायडू मेटास सेवन एडविनटिस्ट स्कूल बरियातू ■ आशुतोष झा संपादक आईक्यू ■ शिव शंकर उरांव पूर्व विधायक गुमला ■ ए.डी वाधव मोटीवेटर ■ राजेश पिल्लई प्राचार्य कैराली स्कूल रांची ■ डी. आर. सिंह प्राचार्य योगदा सत्संग विद्यालय एवं महाविद्यालय रांची ■ एस. के. सिन्हा प्राचार्य डीएवी पब्लिक स्कूल गांधीनगर रांची ■ जगदीश श्रीवास्तव प्राचार्य जे. के. इंटरनेशनल स्कूल रांची ■ अशोक प्राचार्य डीएवी आलोक रांची ■ डॉ ओपी महनसरिया शिशु रोग विशेषज्ञ रांची ■ टी. पाणिग्रही डायरेक्टर जी एण्ड एच हाई स्कूल गेतलातु रांची ■ डॉ. एस. बी.पी. मेहता डायरेक्टर ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल रांची ■ डॉ. बी.एन सिंह केन्द्रीय विद्यालय नामकुम रांची ■ सिमता सिन्हा प्राचार्या सुरेन्द्रनाथ सैंटनरी स्कूल रांची ■ ममता सिंह प्राचार्या संत मिथाइल स्कूल रांची ■ उषा किरण झा, प्राचार्या टेंडर हार्ट स्कूल रांची ■ एस प्रकाश निदेशक लोयला स्कूल रांची ■ प्रियंका प्रकाश प्राचार्या लोयला स्कूल हीनू रांची ■ सुरेश प्रसाद सिंह पूर्व कुलपति वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय आरा ■ मोनिका श्रीवास्तव प्राचार्या सच्चिदानंद ज्ञान भारती मॉडल पब्लिक स्कूल रांची ■ एस.एन महतो प्राचार्य छोटानागरपुर पब्लिक स्कूल रांची ■ सिस्टर निर्माला प्राचार्या संत अन्ना बालिका हाई स्कूल, रांची ■ आर. के. झा प्राचार्य डीपीएस रांची ■ मनीषा त्रिपाठी प्राचार्य इंटरनेशनल स्कूल कांके रोड रांची ■ जेएडविन प्राचार्या बिशप वेस्टकोट गर्ल्स स्कूल डोरंडा रांची ■ राजीव करण निदेशक आद्री रांची ■ मेरी ग्रेस प्राचार्या उर्सुलाइन इंटर कॉलेज रांची ■ सुबोध कांत सहाय पूर्व केन्द्रीय मंत्री ■ पीके ठाकुर प्राचार्य लाला लाजपत राय सीनियर सेकेंडरी स्कूल पुनदाग ■ रेखा नायडू, प्राचार्य मनन विद्या रांची ■ अनुपमा सिन्हा प्राचार्या यूरोकिड्स मोरहाबादी रांची ■ बिन्देश्वर बेक निदेशक सेवेन स्टार अकादमी हेहल ■ प्रवीण परिमल प्राचार्य टाइनी टोट्स स्कूल रांची ■ प्रोफेसर के के भगत एक्स आई एस एस ■ रांची नीता पांड प्राचार्या कैंब्रियन पब्लिक स्कूल रांची ■ ताप्ती सरकार प्राचार्या जी. आर. के. स्कूल पुन्दाग रांची ■ डॉ आर जेम्स प्राचार्य अल्फा इंटरनेशनल स्कूल अशोक नगर रांची ■ नीता नारंग प्राचार्या संत स्टीफेंस स्कूल हीनू रांची ■ संजय कुमार निदेशक विकास पब्लिक स्कूल पुनदाग रांची ■ विजय कुमार शर्मा सक्रेटरी निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल एदलहातू रांची ■ के के दास प्राचार्य लेडी केसी राय स्कूल रांची ■ डॉ. सुमित कौर, प्राचार्य गुरूनानक हायर सकेंडरी स्कूल रांची ■ एन ठाकुर प्राचार्य जसीडीह पब्लिक स्कूल रोहिणी रोड जसीडीह ■ डॉ योगेश कुमार डोरंडा कॉलेज ■ सुषमा केरकेटा प्राचार्या ■ संत गैब्रियल एंड मोनिका स्कूल रांची ■ डॉ. के. एन. त्रिवेदी प्राचार्या विवेकानंद विद्या मंदिर धुर्वा रांची ■ के एन सिंह प्राचार्य संत कोलंबस पब्लिक स्कूल चुटिया, रांची ■ एमके सिन्हा प्राचार्य डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल रांची ■ किरण यादव प्राचार्या नीरजा सहाय डीएवी पब्लिक स्कूल रांची ■ मोहम्मद समीउल्लाह खान प्राचार्य इस्माईलिया मोमिन उर्दू गर्ल्स हाई स्कूल डोरंडा ■ श्री प्रकाश सिंह फाउंडर स्वर्णरखा एजुकेशन ट्रस्ट रांची ■ समरजीत जाना प्राचार्य जेवीएम श्यामली स्कूल रांची ■ सूजाता कौर आर्यकुलम इंस्टिट्यूट पतंजलि योगपीठ हरिद्वार ■ कुणाल कश्यम प्राचार्य एस्कॉट इंटरनेशनल स्कूल हरमू रोड रांची ■ विजय कुमार सिंह प्राचार्य आर्मी स्कूल रांची ■ परमजीत कौर प्राचार्या सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची ■ एके सिंह प्राचार्य डीएवी पब्लिक स्कूल बरही ■ एके झा डीएवी पब्लिक स्कूल सरिया गिरिडीह ■ एस ई अहमद डीएवी पब्लिक स्कूल चतरा ■ बालेश्वर सिंह इंग्लिश कॉन्वेंट स्कूल रांची ■ स्वाति मिश्रा, प्राचार्या, संत अरबिंदो अकैडमी स्कूल रांची ■ मोनिका राजोरिया प्राचार्या लोरेटो कन्वेंट स्कूल डोरंडा ■ प्रफुल्ल कुमार प्राचार्य स्टार अकैडमी मंडप टोली रांची ■ एस. के. मिश्रा प्राचार्य डीएेवी हेहल ■ रामकिशोर सावंत प्रबंध निदेशक सावंत इंटर कॉलेज खापिरावा ■ प्रीति किरण प्राचार्या होली क्रॉस स्कूल कैथोलिक आश्रम रोड हजारीबाग ■ विपिन सिन्हा प्रबंध निदेशक आईजीएम पब्लिक हाई स्कूल हनुमान नगर हजारीबाग ■ मोहम्मद नाजीर प्रबंध निदेशक ग्लोबल पब्लिक स्कूल पंडिती जी रोड, हजारीबाग ■ अजय सिंह निदेशक रोज बड्स स्कूल हजारीबाग ■ अमित खादी वाला निदेशक स्कूल वाला नियर कांग्रेस ऑफिस हजारीबाग ■ पल्लवी कृष्णा प्राचार्या सिडलिंग प्ले स्कूल मुख्य डाकघर हजारीबाग ■ बीके सी प्राचार्य नेशनल पब्लिक स्कूल न्यू एरिया हजारीबाग ■ प्रवीण कुमार प्राचार्य कैंब्रिज स्कूल शिवपुरी ■ रिलैक्स पब्लिक स्कूल ■ करियातपुर फरहा हातमी प्राचार्य फाइबर एकेडमी किड्स वैली एकेडमी नई बस्ती मंनडुई ■ ज्ञानेश्वर दयाल प्रबंध निदेशक सर माउंट प्राइवेट स्कूल कैसुर रोला ■ ओपी शर्मा प्राचार्य आनंद कॉलेज आनंद चौक ■ अशोक कुमार प्रिंसिपल डीएवी कन्हारी हिल हजारीबाग ■ डॉ. हीरालाल शाह सर्जन हजारीबाग प्राचार्य ■ मीनू गुप्ता केडी चिल्ड्रन एकेडमी हाई स्कूल मिथिलेस ■ मिश्रा गौतम बुधा कॉलेज हजारीबाग ■ मौसमी मुखर्जी प्राचार्या यदुनाथ बालिका उच्च विद्यालय हजारीबाग ■ रूपा वर्मा प्राचार्या बिहारी गर्ल्स उच्च विद्यालय हजारीबाग ■ सचिन कल्पना बारला प्राचार्या संत स्टीफन स्कूल हजारीबाग ■ सरिता सिन्हा प्राचार्य डीपीएस स्कूल धनबाद ■ अभय मिश्रा प्राचार्य मिश्रा मेही विद्यापीठ धनबाद ■ मदन कुमार सिंह द्वारिका मेमोरियल फाउंडेशन एकेडमी धनबाद ■ रवि प्रकाश तिवारी संत जेवियर ■ इंटरनेशनल स्कूल धनबाद संजीव कुमार साव स्वमी विवेकानंद स्कूल चिरकुंडा धनबाद ■ एस चितलांगिया प्राचार्या ब्रिजफोर्ड पब्लिक स्कूल ■ रेणुका जायसवाल प्राचार्या सेंट्रल एकेडमी ■ प्रमोद कुमार एडमिनिस्ट्रेटर, फर्स्टमार्क पब्लिक स्कूल ■ बृज मोहन लाल दास, प्राचार्य डीएेवी बोकारो ■ जितेंदर पाठक प्राचार्य, ऐल पी पब्लिक स्कूल किशोरगंज रांची ■ एसके मिश्रा प्राचार्य, एस आर डीएवी पुन्दाग रांची ■ तरूण कुमार मिश्रा प्राचार्य टाटा डीएवी पब्लिक स्कूल ■ शिवनंदन प्राचार्य डीएवी ■ नीरज सिन्हा प्राचार्य फिरायालाल पब्लिक स्कूल ■ **रोजी बादवानी प्राचार्य** डीएववी आंनद स्वामी पब्लिक स्कूल, ■ धमेन्द्र प्रधान इंद्रजीत मेमोरियल जूनियर हाई स्कूल, यूपी ■ जितेन्द्र पाठक प्राचार्य एलपी पब्लिक स्कूल ■ शादान आलाम प्राचार्य स्कॉट इण्टरनेशनल स्कूल ■ शिवनंदान पाठक प्राचार्य डीएवी पब्लिक स्कूल शिक्षादीप ■ प्रामोद कुमार एडमिनीस्ट्रेटर फस्टमार्क पब्लिक स्कूल ■ रंजना सहाय प्राचार्य जे.के. इंटरनेशनल स्कूल ■ संत ग्रेवीयल मोनिका स्कूल ■ पी.एस. कलरा, विकास विद्यालय स्कूल, रांची ■ सुतापा भट्टाचार्य प्राचार्य, सेन्ट्रल एकेडेमी, बरियातू रोड, रांची ■ डॉ. गणेश चन्द्रबास्के, डी.एस.पी. एम. यूनिवार्सिटी, रांची ■ सुमन कुमारी प्राचार्य जे.के. हैप्पी फिट स्कूल

■ तरूण कुमार मिश्रा प्राचार्य डीएवी पब्लिक स्कूल, टाटा

Principal

With best Compliments from :

pragya's गुरुकुल

नन्हें मानसपटल पर सामूहिक-क्रियाकलापों के माध्यम से जनसमूह-निर्माण की प्राकृतिक-परंपरा और सामाजिक-सद्भाव की ऐतिहासिक-शक्ति से परिचित करवाया जाता है।

Road Number - 4 Ashok Nagar, Ranchi - 834002 •Phone : 0651-2242144

Email : info@pragyagurukul.com • Website : www.pragyagurukul.com

मजबुत करता है धर्म, समाज एवं देश

–स्वामी सत्यानंद परमहंस जी

अहंकार नाश का जड़ है। स्वामी सत्यानंदजी परमहंस रसमय से हटकर कोई निर्णय नहीं हो सकता है। सब कुछ समयबद्ध होता है। संसार में किसी के पास अनंत समय नहीं है। भक्ति के लिए भी समय निकालना होता है। भक्ति सदैव सुख प्रदान करती है और हर व्यक्ति की चाह सुख पाने की होती है। सवाल निष्ठा का है। आपकी निष्ठा जितनी मन, तन कर्म, वचन से मजबूत होगी आपको उतना ही आनंद प्राप्त होगा ।अहिरावण ने जब राम लक्षमण का अपहरण कर लिया तो हनुमान को छोड़ सभी निराश थे। लेकिन हनुमान की निष्ठा थी उन्होंने अहिरावण से राम–लक्षमण को मुक्त कराया। जिसकी चाह होती है, जो चाह होती है वही उसे प्राप्त होता है। जो चाह रहा है उसे ही दें। भक्ति में धैर्य की आवश्यकता है। जाउं कहां तजि शरण तुम्हारे।। जैसे कर्त्ता घर बसै, वैसे बसे विदेश । जिसे करना है उसके लिए घर और बाहर कुछ नहीं होता । कोई समस्या समस्या नहीं रह जाती है। भक्ति के लिए कई जन्मों तक प्रयास किये जाते हैं तब मिलती है। भक्त धैर्य नहीं खोता है। मृत्यु अगर भयकारी है तो उसके पहले और बाद जीव बैचेन रहता है। लेकिन भक्ति पाने की चाह में मृत्यु के भय से भी उबर जाता है। संसार में किसी चीज की कमी नहीं है आवश्कयता है कि हमें क्या चाहिए यह तय करें। राधा ने परिवार और भक्ति का अनूठा कृत्य प्रस्तुत किया।

धैर्य क्यों आवश्यक है इस पर उन्होंने कहा कि एक बार दो भक्तों भक्तों में हनुमान श्रेष्ठ हुये। प्रेम में राधा की ने समाधि लगाने की सोची। एक इमली के पेड़ तुलना किसी से हो ही नहीं सकती है। राधा ने पत्नी बनने की चाह नहीं की, रानी बनने की चाह नहीं कि कृष्ण के लिए सब कुछ छोड़ा, यहां तक की कृष्ण को भी छोड़ दिया उन्हें द्वारिका जाने दिया। राधा संग गोपियां वृदांवन में ही रह गयी। दुनिया में आगे और पीछे का आदमी हर क्षेत्र में है। आगे वाले से श्रद्धा और पीछे वाले से प्रेम करना सीखो। नीति कहती है के नीचे तो दूसरा पीपल के पेड़ के नीचे बैठा। इसी बीच नारद मुनि उस ओर से गुजरे। भक्तों ने जानना चाहा कि उनकी समाधि कितने में लग जाएगी। नारद ने पीपल के नीचे वाले भक्त से कहा कि जितना इस पीपल में पत्ता है उतने दिन लगेंगे। वह घबरा गया और उठकर घर भागा। दूसरे को नारद ने यही जबाव दिया उसने कहा चलो यह तो तय है कि मिलेगा चाहे समय कितना भी लगे। वर्तमान समय में धैर्य की कमी पर स्वामी शिवर्धर्मानंदजी महाराज को छपरा की जी ने कहा कि लेन में चलें। लेकिन कुछ लोग अकबकाये से चलते हैं और सड़क के बजाये खेत में पहुंच जाते हैं। जो नियम हैवह जीवन में व्यवहार जगत और भक्ति जगत दोनों पर लागू होता है। जैसे छपरा से चलकर स्वामी परमहंस दयाल ने जो टेरी में भक्ति फैलाया वह आज फिर से छपरा में स्थापित हुआ।

छोटानागपुर खादी ग्रामोद्योग संस्थान
प्रधान कार्यालय - सर्वोदय आश्रम तिरिल, रांची - 834008

राज्य में खादी ग्रामोद्योग संस्थान के माध्यम से युवक युवतियों को बड़ी संख्या में मिल रहा है रोजगार
अभय चौधरी, मंत्री

छोड़ देना भी एक कला है

■ एन.के. मुरलीधर
मोटिवेटर सह चीफ सब एडिटर खबर मन्त्र हिंदी दैनिक

जिंदगी में हम बहुत कुछ पकड़कर चलते हैं। रिश्ते, उम्मीदें, बीते लम्हे, और कभी–कभी खुद को भी। हम सोचते हैं कि जो छोड़ देंगे, वह खो जाएगा। लेकिन सच्चाई यह है कि बहुत कुछ ऐसा होता है, जो पकड़ने से ज्यादा छोड़ देने में खिलता है। यही 'कला है छोड़ने की'। जो केवल समझ से नहीं, आत्मा के अनुभव से आता है।

एक मनोवैज्ञानिक के रूप में, मैंने दूसरों की कहानियाँ सुनी हैं, दर्द, बिछड़ाव, दोष, और अनकहे डर। लेकिन एक साधक के रूप में मैंने अपनी आत्मा की आवाज सुनी है। जब मैं खुद दर्द में था, कैंसर के इलाज से गुजर रही था, रिश्तों के बिखराव से टूटी हुई थी। तब मुझे एहसास हुआ कि असली मुक्ति तब मिलती है, जब हम खुद को पकड़ना बंद करते हैं। हम अक्सर किसी और को दोष देते हैं। 'उसने ऐसा किया', 'वो चला गया', 'उन्होंने समझा नहीं'। लेकिन क्या कभी खुद से पूछा है कि हमने खुद को कितना थामा? कितनी बार खुद की सच्चाई को दबाया, सिर्फ इसलिए कि हम किसी को खोना नहीं चाहते थे?

Soul Sutra इसी आत्मिक यात्रा का नाम है — एक एहसास, कि जब हम अपनी संवेदनशीलता को कमजोरी नहीं, अपनी शक्ति मानते हैं, तब जीवन बदलने लगता है। मेरा हर शब्द एक ऐसी आत्मा को समर्पित है जो 'सब ठीक है' की मुस्कान में भी टूटी होती है।

हम सबके भीतर एक 'अंतर नाद' है, एक ऐसी आंतरिक आवाज, जो शांति में बोलती है। जब हम उसे सुनने लगते हैं, तब समझ आता है कि कोई भी रिश्ते का अंत, आत्मा का अंत नहीं होता। और क्षमा (Kshama) सिर्फ दूसरों को नहीं, खुद को भी देनी होती है। हर उस समय के लिए जब हमने खुद को कमतर समझा। छोड़ना मतलब भूलना नहीं होता। यह अपने ही भीतर एक दीपक जलाना होता है, जो कहता है — "अब बस, और नहीं। अब मैं खुद के साथ हूं।" आज जब मैं लोगों को हीलिंग करता हूं, तो सबसे पहले यही कहता हूं — तुम्हारा दर्द तुम्हारा पतन नहीं, तुम्हारी पुनर्जन्म की भूमि है। जब हम उस दर्द को स्वीकार करते हैं, तो वह हमें तोड़ता नहीं — वह हमें पिघलाकर फिर से गढ़ता है। इसलिए, अगली बार जब कोई रिश्ता, कोई स्वप्न या कोई उम्मीद साथ छोड़ दे — तो बस एक गहरी साँस लीजिए, और कहिएः मैं तुम्हें प्रेम से जाने देता हूँ, ताकि मैं खुद को फिर से पा सकूँ।

क्या आप चार्टर्ड एकाउंटेंट (CA), कॉस्ट अकाउंटेंट (CMA), कंपनी Secretary (CS) या एमबीए की तैयारी करना चाहतें हैं ?

क्या आप इंटरव्यू स्किल, सॉफ्ट स्किल, लाइफ स्टाइल स्किल आदि में पारंगत होना चाहते है ?

सम्पर्क करें

FinShastra

C/o AB Stationeries
उमा हाइट्स के बगल में, इटकी रोड, नियर पिस्का मोड़, रांची–834005

Call: 9431107515, 9608691065

E-mail: wadhwa103@yahoo.co.in

For Solutions of Issues related to

INCOME TAX | GST
ACCOUNTING
COST ACCOUNTANCY
FINANCIAL MANAGEMENT
PROJECT REPORT.

Contact the Experts at

AB STATIONERY

Besides UMA heights, Itki Road, Near Piska More, Ranchi- 834005

Mob : 9431107515, 9334011488

खबरें स्कूल की

(झारखण्ड मलखम एकेडमी, रांची)

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल बरियातु, रांची

नवागंतुक दिवस– अध्यवसायिता, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति संकल्प का आह्वान

डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल बरियातु रॉची में 11 कक्षा के विद्यार्थियों के लिए नवागंतुक दिवस (फ्रेशर्स डे) का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों में आर्यभाव को संवर्धित एवं संपुष्टित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम का शुभारम्भ महाहवन से हुआ। बारहवीं एवं अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों द्वारा मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की गई। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए प्राचार्य संजय कुमार मिश्रा ने कहा कि ग्यारहवीं कक्षा विद्यार्थी जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव है। इस दरम्यान आपके द्वारा किया गया प्रयास आपके विचारों और भविष्य को गढ़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। आप सदैव अपने माता–पिता और शिक्षकों का आदर भाव रखें। पढ़ाई के साथ –साथ अपने व्यक्तित्व विकास के प्रति सजग रहें। उन्होंने विद्यार्थियों को एक बौद्धिक रूप से परिपूर्ण और सजग नागरिक बनने की शुभकामनाएं दीं।

बीट प्लास्टिक पॉल्यूशनः औषधीय पौधे लगाए गए। आज विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्षा सुशीला गुप्ता और आर्य प्रादेशिक प्रतिनिधि सभा के मानद् आजीवन सदस्य शत्रुघ्न लाल गुप्ता ने विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। पारिस्थितिक क्लब के सदस्य, शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी उपस्थित थे।

प्राचार्य संजय कुमार मिश्रा ने कहा कि पर्यावरण का समुचित संरक्षण हमारी जरूरत या बाध्यता नहीं अपितु हमारा सामूहिक उत्तरदायित्व है। हमारा जीवन प्रकृति की गोद में पलता है। यदि प्राकृतिक संसाधनों और उसके उपयोग के साथ यथोचित सामंजस्य नहीं रखा गया तो जीवन में असंतुलन उत्पन्न हो जाएगा। इसका परिणाम वैश्विक ऊष्मीकरण और जलवायु परिवर्तन के रुप में। प्लास्टिक के अधिकाधिक उपयोग से प्राकृतिक स्रोत, जैसे नदियां, सागर , झील , वायु आदि और प्राकृतिक छटाएं, जैसे पर्वत, नदियों और सागर के तट, उर्वर भूमि आदि प्रदूषित हो रहे हैं। इससे मानसिक और शारीरिक क्षमता का क्षय हो रहा है। डी.ए.वी. प्रबंधन द्वारा सतत् पर्यावरण की रक्षा हेतु प्लास्टिक के उपयोग नहीं करने के प्रति विद्यार्थियों को सचेत किया जाता रहा है। कक्षा तीन से नवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने आभाषी माध्यम से विद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लिया। इसमें उन्होंने स्लोगन, कविता वाचन,निबंध लेखन और चित्रकला द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस और उसके उद्देश्यों पर आधारित अपने विचारों को प्रस्तुत किया।

प्रतिभा का सम्मानः डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल बरियातु रांची में सी.बी.एस.ई. दसवीं और बारहवीं बोर्ड परीक्षा 2025 के स्कूल टॉपर तथा 90% अथवा उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले तथा जे.ई.ई. मेन्स और एडवांस्ड तथा नीट 2025 में क्वालीफाई करने वाले विद्यार्थियों को मोमेंटो और प्रमाण – पत्र देकर सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि, अन्य गणमान्य अतिथियों और अभिभावकों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर हुआ। विद्यालय की अध्यक्षा सुशीला गुप्ता कार्यक्रम की मुख्य अतिथि थीं। विशिष्ट अतिथि शत्रुघ्न लाल गुप्ता थे। गणमान्य अतिथियों में डी. ए.वी. कपिल देव के प्राचार्य सह सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी श्री मनोज कुमार सिन्हा, डी.ए.वी. हेहल के प्राचार्य सह सहायक क्षेत्रीय पदाधिकारी श्री बिपिन राय , डी.ए.वी. पुन्दाग के प्राचार्य डॉ. तापस घोष , डी.ए.वी. खलारी के प्राचार्य श्री कमलेश कुमार और डी.ए.वी. गांधीनगर के प्राचार्य श्री प्रदीप कुमार झा उपस्थित थे। स्वागत सम्भाषण में प्राचार्य संजय कुमार मिश्रा ने विद्यालय के सत्र 2024–2025 का परीक्षाफल विश्लेषण रिपोर्ट प्रस्तुत किया। उन्होंने सम्मानित होने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई दीं। कार्यक्रम में ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थी भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि आप इस धरती की बगिया के वे चुनिंदा फूल हैं जिनकी महक के

प्रसारित होने की क्षमता चॉद–तारों तक है। आपकी सफलता आपके प्रयास का परिणाम है। आप अपने प्रयास में इसी प्रकार लगन का रंग भरते रहिए और उसे सोद्देश्यों से संपुष्ट करते रहिए, निश्चित रुप से आप सर्वत्र प्रकाशमान होंगे और आपसे समस्त जगत भी आलोकित होगा। मनोज कुमार सिन्हा ने कहा कि आप अपने मन में सदैव अच्छा करने का गांठ बांध कर रहे। यदि आपने अपने मन पर नियंत्रण पा लिया तो आपके द्वारा किया गया प्रत्येक काम प्रशस्त कर्म की ओर ही प्रेरित होगा।

श्रीमती सुशीला गुप्ता ने विद्यालय परिवार को उसकी उपलब्धियों पर बधाई दी और कहा कि डी.ए.वी. बरियातु के शिक्षक विद्यार्थियों के सुनहरे भविष्य के लिए सतत् प्रयत्नशील हैं। इस कारण प्रत्येक वर्ष इस स्कूल का रिजल्ट हर वर्ष अच्छा होता है।

अभिभावकों ने भी विद्यालय की सराहना करते हुए कहा कि इस विद्यालय के शिक्षक वास्तविक मायने में बगिया के माली की तरह बच्चों का ध्यान रखते हैं और उनके समग्र विकास के लिए प्रयासरत रहते हैं। समस्त अतिथियों ने विद्यार्थियों को बधाई दीं तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना कहीं। आप इस बगिया के चुनिंदा फूल है जिनको हम सब सम्मानित कर रहे हैं डीएवी पब्लिक स्कूल बरियातू।

डी.ए.वी पब्लिक स्कूल गांधीनगर में योग

डी.ए.वी पब्लिक स्कूल सीसीएल गांधीनगर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुंगेर के योगाचार्य स्वामी मुक्तरथ ने शिक्षकों एवं छात्रों को योग का प्रशिक्षण दिया। इसके अंतर्गत भ्रामरी, कपालभारती आदि यौगिक क्रियाओं के साथ मयूरासन, सूर्यनमस्कार, शशकासन, वज्रासन, वृक्षासन, पद्मासन, धनुरासन, कूर्मासन जैसे विभिन्न आसनों को करना सिखाया और उनके महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जीवन को तनावरहित एवं प्रसन्नचित रहने के लिए योग को अपनाने पर बल दिया। शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक ऊर्जा के लिए योग को रामबाण की संज्ञा दी। योग से जीवन स्वस्थ ही नहीं रहता अपितु प्रगति के प्रत्येक क्षेत्र में योग की अप्रत्यक्ष भूमिका होती है। कक्षा तीसरी से नवमी के छात्रों के साथ शिक्षकों ने भाग लिया। प्राचार्य प्रदीप कुमार झा ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि जैसे भोजन, शयन, भ्रमण, स्नान,पठन आदि दैनिक जीवन के कार्यों के अंग होते हैं उसी प्रकार हमें योग को भी दैनिक क्रियाकलापों में स्थान देना चाहिए।

योग के इस आयोजन में खेल प्रशिक्षक गोविंद झा, कौशल कुमार, स्वाति शिप्रा, के अलावे के नलिनी, डॉ जया जायसवाल, कविता मुखर्जी आदि शिक्षकों की सराहनीय भूमिका रही।

मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता : राष्ट्र की समृद्धि और समाज की शांति के लिए नशा अभिशाप है। विश्व मादक पदार्थ निषेध दिवस के अवसर पर डी ए वी पब्लिक स्कूल सीसीएल गांधीनगर में वर्जित मादक पदार्थों के विरुद्ध जागरूकता के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गोंदा थाना प्रभारी अभय कुमार सिन्हा के साथ सब इंस्पेक्टर सन्नी कुमार एवं अमन राज उपस्थित थे। बच्चों को संबोधित करते हुए थाना प्रभारी ने समाज में फैली नशीले पदार्थो के आसक्ति के कारण हो रही हानियों से सभी को परिचित कराया। उन्होंने कहा कि नशे के कारण न केवल स्वास्थ्य प्रभावित होता है अपितु सामाजिक सौहार्द की भावना में गिरावट आती है। नशा से आर्थिक नुकसान भी होता है। समाज में हो रही असंख्य आपराधिक घटनाओं के पीछे भी कहीं न कहीं नशीले पदार्थों की भूमिका होती है। आज देश के नौनिहालों में जो कि परिवार और देश के भविष्य हैं, उनमें भी यह जहर फैलता जा रहा है जो कि भविष्य के लिए दुखद स्थिति को उत्पन्न कर रहा है। छात्रों को मादक पदार्थों से दूर रहने की हिदायत दी। मादक पदार्थों के सेवन से हमारे शरीर की संरचनाएं प्रभावित होती हैं। शरीर, मन,मस्तिष्क की प्राकृतिक स्थिति दुष्प्रभावित होती है। इससे व्यक्ति में उत्तेजना और क्रोध जैसे भाव उत्पन्न होते हैं। व्यक्ति की निर्णय क्षमता भी प्रभावित होती है। विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रदीप कुमार झा ने कहा कि नशा कोई भी हो वह हानिकारक ही होता है। नशे के आदि व्यक्ति में चिंतन और सद्विचार समाप्त हो जाते हैं। व्यक्ति का विवेक मर जाता है। बुद्धि कौशल और स्मरण शक्ति का ह्रास होता है। आज विश्व में जितने भी रोग जन्म ले रहे हैं उनके अधिकांश कारण नशीले पदार्थों का सेवन है। परिवार और समाज में कड़वाहट लाने में भी नशीले पदार्थों की अहम भूमिका है। जिन युवाओं के बुद्धि कौशल से समाज समृद्ध होता है, नशा उन्हें अपने से ही नहीं परिवार ,समाज और देश से भी दूर कर देता है। जीवेम शरदरू शतम् की अवधारणा तभी सार्थक हो सकती है जब व्यक्ति नशे से मुक्त होगा। इस अवसर पर अनेक अभिभावकों के साथ शिवनाथ कवर, निराकार आचार्या,कविता मुखर्जी, अमित दत्ता, ब्रजेशजी सिन्हा, गोविंद झा , कौशल कुमार, स्वाति, परितोष दुबे, ए के सिंह आदि शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन सोमा घटक ने किया ।

संकेत को गोल्ड मेडल: डीएवी पब्लिक स्कूल सीसीएल

गांधीनगर के छात्र संकेत खाडिया ने हरिद्वार में आयोजित राष्ट्रीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में गोल्डमेडल जीतकर विद्यालय और राज्य का नाम रोशन किया है। यह प्रतियोगिता ताइक्वांडो उत्तराखंड एवं ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में उत्तराखंड हरिद्वार में आयोजित किया गया था। अंडर 78 किलोग्राम की उस प्रतियोगिता में उसने पहला स्थान प्राप्त किया। उसके इस सफलता पर प्राचार्य श्री प्रदीप कुमार झा ने उसे बधाई देते हुए कहा कि आज शिक्षा के साथ विभिन्न खेलों में सफलता के द्वार खुले हैं। किसी भी क्षेत्र में मेहनत और निष्ठा से कार्य किया जाय तो सफलता अवश्य मिलती है। उन्होंने कहा कि खेल प्रशिक्षक गोविंद झा और कौशल कुमार के कुशल निर्देशन में विद्यालय के छात्र विभिन्न खेलों में सफलता प्राप्त कर रहे हैं । इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षकों ने खुशी व्यक्त करते हुए छात्र को बधाई दी है।

नीट की परीक्षा में छात्रों का प्रदर्शनः इस वर्ष नीट यूजी 2025 की परीक्षा में डी.ए.वी पब्लिक स्कूल सीसीएल गांधीनगर के छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस वर्ष नीट की परीक्षा में दस से अधिक छात्रों ने सफलता अर्जित की है। सफल होने वाले छात्रों में मस्कीन राय, मयंक शेखर, संजना कुमारी, एकलव्य कुमार,अनन्या राय, ज्योति रानी, सुप्रिया कुमारी, जेबा तबस्सुम, आयेसा निसार आदि हैं। बच्चों की इस सफलता पर प्राचार्य प्रदीप कुमार झा ने कहा कि यह परिणाम हमारे विद्यालय में दी जा रही उत्कृष्ट शिक्षा और छात्रों की मेहनत का परिणाम है। शिक्षकों के उचित मार्गदर्शन से छात्रों की प्रतिभा में निखार होता है। हमारा उद्देश्य छात्रों में उत्कृष्ट शिक्षा के साथ मानवीय गुणों का विकास भी करना है जिससे राष्ट्र की प्रगति में उनकी सराहनीय भूमिका हो। इस विद्यालय के छात्र शिक्षा प्राप्त कर जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में परचम लहरा रहे हैं। मैं सफल छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूँ।

डी.ए.वी नंदराज स्कुल रांची ने विश्व योग व संगीत दिवस मनाया

सम्पूर्ण सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत योग है।

डॉ रविप्रकाश तिवारी, प्राचार्य, डीएवी नंदराज स्कूल के सभी बच्चों, शिक्षक–शिक्षिकाओं और अभिभावकों ने विश्व योग दिवस मनाया। प्राचार्य डॉ रविप्रकाश तिवारी ने कहा कि योग एक होलिस्टिक विधि है जिसके द्वारा शरीर और मन पर सकारात्मक प्रभाव डाला जाता है जिससे शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया जा सके। हम लोगों ने तय किया था कि इस वर्ष इस कार्यक्रम में अभिभावक भी अपनी भागीदारी निभाएं और आप सभी अभिभावकों ने बहुत ही अच्छे तरीके से इसे पूर्ण किया है। इसके लिए आप सब बधाई के पात्र हैं।

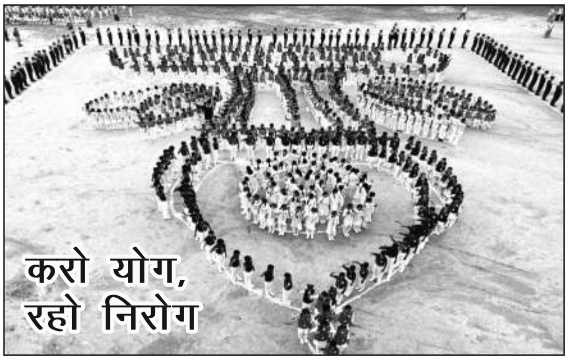

वस्तुतः योग का उद्‌गम स्थल भारत है। इसका पेटेंट भारत के नाम है। यह हमारे ऋषियों की संसार को देन है जिसे आज प्रधानमंत्री जी के परिश्रम से संसार स्वीकार कर रहा है । हमारे बच्चे पढ़ने विदेश जाते हैं और विदेशी शांति प्राप्त करने और योग सीखने भारत में बहुतायत मात्रा में आ रहैं हैं।

यह भी याद रखना चाहिए कि यह एक दिन करने का चीज नहीं है बल्कि प्रतिदिन किया जाने वाला उपक्रम है। इसमें यानी योग में केवल आसन प्राणायाम ही नहीं बल्कि दूसरे यम,नियम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान और समाधि भी जुड़ा हुआ है । अतः आइए! करो योग ,रहो निरोग की अवधारणा को पूरा करें। आज विश्व संगीत दिवस है जिसे विद्यालय के गुंज आडेटेरियम में मनाया गया। इस के मुख्य अतिथि अजय आर्य, मंत्री आर्यसमाज रांची जिन्होंने दीपक जलाकर कार्यक्रम प्रारंभ किया। इसमें बच्चों और शिक्षकों की प्रस्तुति शानदार रही।

नशा मुक्ति अभियानः राज्य सरकार द्वारा नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे युद्ध स्तरीय अभियान के अंतर्गत डीएवी नंदराज पब्लिक स्कूल, बरियातू में एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह राज्यव्यापी अभियान 10 जून से 26 जून तक विभिन्न विद्यालयों में संचालित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना एवं उन्हें जागरूक नागरिक बनाना है। विशिष्ट अतिथि संजीव कुमार बेसरा, वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक, सदर, रांची, मनोज कुमार, थाना प्रभारी, बरियातू, कुलदीप कुमार, थाना प्रभारी, सदर, रांची, दीपक कुमार, प्राचार्य, महात्मा एन. डी. ग्रोवर डीएवी पब्लिक स्कूल, बुंडू कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्राचार्य डॉ. रवि प्रकाश तिवारी ने की। अपने प्रेरणादायक संबोधन में कहाः "नशे की लत ने कई प्रतिभाशाली छात्रों के जीवन और सपनों को समाप्त कर दिया है। हमें सतर्क रहकर स्वयं को और अपने साथियों को इस बुराई से दूर रखना है।" वरिष्ठ पुलिस उपाधीक्षक श्री संजीव कुमार बेसरा ने विद्यार्थियों को सरकार द्वारा लागू कड़े नशा विरोधी कानूनों की जानकारी दी। बताया कि मादक पदार्थों के सेवन, बिक्री और

वितरण पर कड़ी सजा का प्रावधान है। विभिन्न प्रकार के नशों को जैसे स्मैक, गांजा, कोकीन, नशीली दवाएं आदि के घातक प्रभावों के बारे में विस्तार से समझाया और बताया कि किस प्रकार छात्र इनसे दूर रह सकते हैं। विद्यार्थियों को यह भी जानकारी दी कि कोई भी छात्र या व्यक्ति यदि किसी संदिग्ध गतिविधि, नशे के सेवन, या व्यापार की सूचना देना चाहता है, तो वह पुलिस द्वारा जारी किए गए विशेष व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर पर शिकायत भेज सकते है। शिकायतकर्ता की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। यह भी कहा कि— यदि हम सब मिलकर प्रयास करें, तो समाज से नशे की इस समस्या को समाप्त किया जा सकता है। यह केवल एक सरकारी मुहिम नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। कक्षा 10 के छात्र–छात्राएं नशे से दूर रहने की सामूहिक शपथ ली। अतिथियों के प्रेरणादायक वक्तव्यों ने विद्यार्थियों में नशामुक्त समाज के प्रति चेतना और संकल्प को दृढ़ किया। कार्यक्रम का समापन इस संकल्प के साथ हुआ कि हम सभी मिलकर एक सुरक्षित, स्वस्थ और नशामुक्त भारत की दिशा में कार्य करेंगे।

डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल, राँची ने जेईई एडवांस में किया नाम रोशन

डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल, रांची के प्रतिभाशाली छात्रों ने संयुक्त प्रवेश परीक्षा जेईई एडवांस–2025 में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर विद्यालय, अभिभावको का नाम रोशन किया है। अपने कठिन परिश्रम, समर्पण और अनुशासन के बल पर इस प्रतिष्ठित परीक्षा में आयुष कुमार (रैंक 7180) अरविन्द कुमार ने (रैंक 18172) किसलय गुप्ता ने (रैंक 20017) तथा अनिकेत पॉल ने (रैंक 30455) अपनी सफलता से विद्यालय का नाम ऊँचा किया। विद्यालय के प्राचार्य श्री बिपिन राय इन सब की इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा, यह सफलता बच्चों की साधना स्वरूप निरंतर मेहनत,अभ्यास और हमारे शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन व अभिभावकों के प्रोत्साहन व समर्पित सहयोग का परिणाम है। यह हम सभी के लिए गौरव का क्षण है। हमें इसी तरह और संभवतः इससे भी ज्यादा ध्यान देना होगा ताकि भविष्य में और उत्तम परिणाम हासिल हो सके। शिक्षकों एवं छात्रों की कटिबद्धता आवश्यक होगी। छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, शिक्षकों और स्कूल के सहयोगात्मक वातावरण को दिया। उन्होंने कहा, डीएवी हेहल ने मुझे पढ़ाई के साथ–साथ आत्मविश्वास और अनुशासन भी सिखाया, जो इस यात्रा में अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ। विद्यालय परिवार ने सभी सफल छात्रों को बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नीरजा सहाय डी.ए.वी. कांके में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

कांके स्थित नीरजा सहाय डीएवी में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने प्रातः प्रार्थना सभा में कई आसन व सूर्य नमस्कार किए। प्राचार्या श्रीमती किरण यादव ने योग के महत्त्व को रेखांकित करते हुए बताया कि आज विश्व भारत की इस धरोहर को सर आँखों पर रख रहा है जो इस बात की ओर इंगित करता है कि ये पुरातन परंपरा कितनी समसामयिक है। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए उन्होंने इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करने की सलाह दी।

विश्व पर्यावरण दिवसः नीरजा सहाय डीएवी में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरु कता उत्पन्न करने के लिए एवं किचन गार्डन बनाकर घर पर ही जैविक तरीके से आवश्यक कुछ सब्जियाँ उगाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती किरण यादव ने कहा कि इस प्रकार के किचन गार्डन न केवल अवश्यकता पड़ने पर माताओं की मदद करते हैं बल्कि जैविक होने के कारण हमारे स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक है। आज के कोमल हृदय में व्याप्त कल का नेतृत्वकर्ता....!

डीएवी कपिलदेव स्कूल रांची में नशा मुक्ति अभियान

डीएवी कपिलदेव पब्लिक स्कूल में नशा मुक्ति अभियान का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार थे उन्होंने नशे का समाज एवं परिवार पर कितना बुरा असर होता है प्राचार्य एमके सिन्हा ने बच्चों को नशे से दूर रहने की अपील की।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा, रांची

सरस्वती विद्या मंदिर, धुर्वा, रांची में सी बी एस ई द्वारा क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण शिक्षा जागरुकता एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षणश विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग विधिवत संपन्न हुआ। प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन दीप प्रज्वलन, पुष्पार्चन, एवं सरस्वती वंदना से हुआ। विद्यालय के प्राचार्य ललन कुमार ने प्रशिक्षक डॉ पल्लवी सिंह, प्राचार्या, ग्रीनलैंड पब्लिक स्कूल, रांची एवं डॉ कमलेश कुमार, डी ए वी पब्लिक स्कूल, खलारी को अंग वस्त्र एवं पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत एवं सम्मानित किया तथा आभार व्यक्त किया। प्रशिक्षक डॉ कमलेश कुमार ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति सभी शिक्षकों को जागरूक किया तथा बताया कि वर्तमान समय में हर क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों का दोहन हो रहा है। उन्होंने 'सतत् पोषणीय विकास' विषय पर गहन एवं विस्तृत चर्चा किया।

डॉ पल्लवी सिंह ने जैव विविधता एवं जलवायु परिवर्तन विषय पर महत्वपूर्ण तथ्य साझा की एवं पर्यावरण संरक्षण के

लिए उठाए जाने वाले कदमों पर भी विस्तृत चर्चा किया। इस प्रशिक्षण में कुल 60 शिक्षकों' ने भाग लिया।

प्राचार्य ललन कुमार ने बताया कि वर्तमान समय में पर्यावरण शिक्षा पर जागरूकता एवं प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण अहम विषय बन गया है। समन्वयक ईभा निगम ने संचालन के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। विद्यालय के उपप्राचार्य मीना कुमारी एवं सभी आचार्य एवं दीदी जी उपस्थित थे।

अरुणोदय पत्रिका का लोकार्पण : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा, रांची में भारत माता प्रतिमा प्राण– प्रतिष्ठा एवं अरुणोदय पत्रिका लोकार्पण सह आचार्य सम्मान समारोह इस अवसर पर विद्यालय में भारत माता प्रतिमा की प्राण– प्रतिष्ठा की गई । इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति श्री दीपक रौशन, झारखंड उच्च न्यायालय, झारखंड तथा विशिष्ट अतिथि श्री ब्रह्माजी राव राष्ट्रीय मंत्री, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के कर कमलों से भारत माता प्रतिमा का लोकार्पण हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ माननीय मुख्य अतिथि ने दीप प्रज्वलन तथा पुष्पार्चन कर किया।

विद्यालय के माननीय मंत्री अखिलेश्वर नाथ मिश्र ने कार्यक्रम की भूमिका प्रस्तुत करते हुए कहा कि सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, धुर्वा, रांची का प्रारंभ 1970 में हुआ तथा वर्तमान में विद्यालय 2700 बच्चे नामांकित हैं।

आज गुरुपूर्णिमा के दिन विद्यालय के अरुणोदय पत्रिका के तेरहवें संस्करण का लोकार्पण हुआ जिसका विषय है , शिक्षा सेवालक्षित साधना । तत्पश्चात मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति दीपक रौशन ने कहा कि गुरु ही ब्रह्मा है,गुरु ही विष्णु है,गुरु ही शिव है। इस समाज में गुरु का स्थान सर्वोपरि है। विद्यालय की वार्षिक पत्रिका **अरुणोदय** का लोकार्पण माननीय मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं मंचासीन अतिथियों द्वारा किया गया। पत्रिका की संपादक बहन तेजस्विनी कुमारी कक्षा द्वादश ने अपने उद्‌बोधन में कहा कि अरुणोदय पत्रिका विद्यालय के भैया– बहनों की रचनात्मक प्रस्तुति है। हमारे विद्यालय की स्मृति, संस्कृति और धरोहर का परिचय कराएगी। विशिष्ट अतिथि ब्रह्माजी राव, राष्ट्रीय मंत्री, विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान कहा कि भारतीय परंपरा में प्रति वर्ष आषाढ़ शुक्ल पक्ष पूर्णिमा को गुरुपूर्णिमा के रूप में मनाया जाता है।आज के दिन हम महर्षि वेदव्यास का स्मरण करते हैं।

नशे को ना, जिंदगी को हाँ– निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल, रांची

झारखंड सरकार के तत्वावधान में किया गया – नशामुक्ति की ओर एक प्रभावशाली पहल निर्मला कॉन्वेंट हाई स्कूल, एदलहातू, मोराबादी, रांची में हुआ जागरूकता कार्यक्रम। "नशे को ना, जिंदगी को हाँ" विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कक्षा अष्टम से लेकर कक्षा दशम तक के छात्र–छात्राओं ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें एक स्वस्थ, सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करना था।

प्राचार्य विजय कुमार शर्मा तथा सचिव सीमा शर्मा ने विशिष्ट अतिथियों का स्वागत कर किया। विजय कुमार शर्मा ने नशा मुक्त समाज की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि आज के युवाओं को सही दिशा में मार्गदर्शन देना हम सभी शिक्षकों और अभिभावकों की जिम्मेदारी है।

मुख्य अतिथि जन जीवन कुमार बेसरा (डी.एस.पी. – सदर, रांची), मनोज कुमार (थाना प्रभारी – बरियातू, रांची), पूजा विभूति (उप निरीक्षक – बरियातू थाना) इन गणमान्य अतिथियों ने छात्रों को नशे के बढ़ते प्रभाव और उससे होने वाले सामाजिक व मानसिक नुकसान के बारे में बताया। उन्होंने अपने जीवन के अनुभवों और घटनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वे नशे से दूर रहें और अपने जीवन में सकारात्मक लक्ष्य निर्धारित करें।

कार्यक्रम की मुख्य झलकियाँ: विद्यार्थियों ने नशे के खिलाफ पोस्टर, भाषण और नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जागरूकता फैलाई। स्कूल परिसर में **नशे को ना** थीम पर एक रंगोली प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

अतिथियों ने छात्रों के साथ संवाद कर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया। इस आयोजन ने छात्रों एवं अभिभावकों दोनों को गहराई से प्रभावित किया और नशामुक्त समाज की दिशा में एक मजबूत कदम साबित हुआ। विद्यालय परिवार ने यह संकल्प लिया कि वे निरंतर ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज को जागरूक करते रहेंगे। विद्यालय के सचिव सीमा शर्मा ने ,झारखंड सरकार और पुलिस प्रशासन का आभार जताते हुए कहा कि, इस तरह के कार्यक्रम समाज में जागरूकता फैलाने का माध्यम बनते हैं और विद्यार्थियों को जीवन के सही निर्णय लेने में मदद करते हैं।

मौके पर विद्यालय के शिक्षक– शिक्षिका आशुतोष कुमार किरण कुमारी सुधीर कुमार अनामिका छेत्री निधि कुमारी इत्यादि के साथ विद्यार्थीगण भी उपस्थित थे।

विवेकानन्द विद्या मंदिर रांची में "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस"

विवेकानन्द विद्या मंदिर में "अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में –पी–सिंह (कॉर्डिनेटर), अमिताभ लाहा (प्रभारी प्राचार्य), कता मिश्रा (हेड मिस्ट्रेस), सभी शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी तथा छात्र–छात्राँ योगाभ्यास में भाग लिया। विद्यालय की योग शिक्षिका सीमा रॉय, पी,चई शिक्षक रविकांत पाठक, पीटी शिक्षक दलजीत सिंह व धनंजय पांडा ने आयुष मंत्रालय जारी योगासनों का योगाभ्यास विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को कराया गया। योग का महत्व आदिकाल से चला आ रहा है।

'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य' यह थीम वैश्विक विचार को बढ़ावा देती है, जिसका अर्थ है कि स्वस्थ और टिकाऊ भविष्य के लिए, हमारे और हम सभी के सेहत आपस में जुड़ा हुआ है। विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने यह समझने की कोशिश की, कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन का वास

होता है। अमिताभ लाहा (प्रभारी प्राचार्य) ने इस अवसर पर कहा कि योग का अर्थ होता है मिलन। शरीर से मन का जुड़ाव ही योग है। योग ही ,क साधन है जिसके द्वारा हम तन, मन से स्वस्थ रहकर अपना, समाज का और विश्व के हित के लिए, कार्य कर सकते हैं, और लौकिक के साथ अलौकिक शक्तियों के साथ जुड़ सकते हैं और जीवन का सही आदर्श स्थापित कर सकते हैं। इस अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सभी शिक्षकगण, शिक्षकेत्तर कर्मचारी, छात्र–छात्राओं तथा विद्यालय परिवार के अन्य सदस्यों ने योग का आनंद लिया। माननीय न्यायाधीश नरेन्द्र नाथ तिवारी (प्रशासक, विवेकानन्द विद्या मंदिर) ने इस योग के लिए, शुभकामनाएं दीं।

विद्या विकास पब्लिक स्कूल रांची के बच्चों ने शैक्षणिक औद्योगिक भ्रमण किया

विद्या विकास पब्लिक स्कूल के वाणिज्य संकाय के बच्चों ने स्टाइल लेग्स परिधान प्राइवेट लिमिटेड का शैक्षणिक भ्रमण किया। छात्रों ने विभिन्न कार्य एवं औद्योगिक प्रक्रियाओं को बारिकियों से समझने का प्रयास किया। उधम के प्रक्रियाओं को प्रत्यक्ष रूप से समझने के लिए ही छात्रों को विभिन्न विभागों का भ्रमण करवाया गया और उन्हें आधुनिक तकनीक वित्तीय, नियोजन ,मार्केटिंग स्ट्रेटजी एवं व्यापार के संचालन की रुप रेखा से अवगत कराया गया। अधिकारियों से छात्रों ने अनेक प्रश्नोत्तर को पूछ कर अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। विद्यालय के प्राचार्य जयाप्रसाद ने कहा कि औद्योगिक भ्रमण से कैरियर की समझ बढ़ती है।

फिरायालाल पब्लिक स्कूल रांची के बच्चियों की सुरक्षा के लिए कार्यशाला

फिरायालाल लाल पब्लिक स्कूल में बच्चियों की सुरक्षा की के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया इसके तहत स्कूली बच्चियों को सुरक्षा आत्मविश्वास एवं जागरूकता के लिए स्त्री वन इंडिया एनजीओ के सौजन्य से कन्या कैंपेन कार्यशाला का आयोजन किया गया उनकी फाउंडर मेरी स्टेला नारायण व उनकी सहयोगिनी क्लेम इंडिया प्रतिभागी प्रियांशु चौधरी ने द्वारा इस संपन्न किया गया प्राचार्य ने कहा कि आज के महौल में बच्चों को अपनी सुरक्षा के लिए जागरूक होना बहुत ही आवश्यक है।

क्लासिकल ग्रुप डांस प्रतियोगिताः फिरायालाल पब्लिक स्कूल में क्लास 3 से 5 के तक के बच्चों के बीच इंटर हाउस सेमी क्लासिकल ग्रुप डांस प्रतियोगिता व इंटर हाउस डिजाइन सुपर हीरो कंपटीशन का आयोजन किया गया। इन दोनों ही प्रतियोगिताओं में चारो दलों से चार–चार बच्चों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में ज्ञानद के बच्चे प्रथम जबकि शांतिदल ने दूसरा स्थान हासिल किया।

मारवाड़ी प्लस टू उच्च विद्यालय रांची के बच्चों द्वारा पौधों का वितरण

मारवाड़ी प्लस टू उच्च विद्यालय, अपर बाजार के विद्यार्थियों के बीच रांची नगर निगम की ओर से 100 फलदार पौधों का वितरण किया गया साथ ही साथ रिलेशन की ओर से मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण संरक्षण पर सेमिनार का आयोजन किया गया। पर्यावरण संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। हरियाली बढ़ाने पर बल दिया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गौतम कुमार साहू थे।

आर्मी वब्लिक स्कूल रांची में अंतर विद्यालय वाद विवाद प्रतियोगित

अंतर विद्यालय वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन आर्मी पब्लिक स्कूल में किया गया। प्रतियोगिता में रांची के सात स्कूलों ने भाग लिया मुख्य अतिथि विद्यालय के अध्यक्ष ब्रिगेडियर राजकुमार सम ने प्रतियोगिता के सभी विजय प्रतिभागी बच्चों को सम्मानित किया, प्रथम आर्मी पब्लिक स्कूल, द्वितीय सुरेंद्र नाथ सेंटनेरी सेकेंडरी स्कूल, व तृतीय दिल्ली पब्लिक स्कूल धुर्वा, सर्वश्रेष्ठ वक्ता पक्षशय श्रीवास्तव ,विपक्ष एकाश सीह व प्रश्नकरता अध्या चुने गए।

जवाहर नवोदय विद्यालय रांची की शिक्षिका रेणुका सिन्हा सेवा निवृत

जवाहर नवोदय विद्यालय की संगीत शिक्षिका रेणुका कुमारी सिन्हा ने 30 वर्षों की सेवाकाल के बाद 30 जून को सेवानिवृत हो गई। संगीत शिक्षिका मिस सिन्हा ने 1995–2025 तक सरगुजावा, गुमला, गारो हिल्स ,रांची ,पूर्वी सिंहभूम एवं सिमडेगा जिला के जवाहर नवोदय विद्यालय में संगीत शिक्षिका के रूप में अपना सहयोगपूर्ण योगदान दिया सेवानिवृत मिस सिन्हा ने भाव विभोर होकर अपने सेवा यात्रा को याद करते हुए विद्यालय के सभी छात्र–छात्राओं अभिभावकों सहयोगियों एवं पदाधिकारीयो का आभार व्यक्त करते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। इस अवसर पर प्राचार्य एमके सिन्हा उपस्थित थे।

संत फ्रांसिस स्कूल रांची लोवाडी में जोनल ताइक्वांडो चैंपियनशिप

संत फ्रांसिस स्कूल लोवाडी में जोनल ताइक्वांडो चौंपियनशिप का आयोजन किया गया। इस चौंपियनशिप में रांची जिला के सीबीएसई बोर्ड के मान्यता प्राप्त विद्यालयों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता में छात्र–छात्राओं वर्ग 14,17, 19 वर्ग में भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सिस्टर कृषि, विशिष्ट अतिथि के रूप में स्कूल के प्रबंधक बद्रर जॉर्ज डोमिनिक एवं रांची जिला ताइक्वांडो एसोसिएशन के मिथिलेश कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

सच्चिदानंद ज्ञान भारती मॉडल डोरंडा रांची स्कूल ने एरोबिक्स में प्रथम स्थान प्राप्त किया

सच्चिदानंद ज्ञान भारती मॉडल स्कूल के छात्रों ने रांची सहोदया स्कूल काम्प्लेक्स की ओर से आयोजित अंतर विद्यालय एरोबिक्स प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में 20 से अधिक विद्यालयों ने पार्टिसिपेट किया था सच्चिदानंद ज्ञान भारती मॉडल स्कूल के कक्षा 8 से 10 के विद्यार्थियों ने प्रथम स्थान

हासिल करते हुए अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल रांची में पेरेंट्स डे प्रोग्राम

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में वात्सल्य 2 के तहत ग्रांड्स पेरेंट्स डे प्रोग्राम का आयोजन किया गया ।इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अनेक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां द्वारा सभी को मंत्र मुक्त कर सभी को देशभक्ति परंपरा और महिला शक्ति और उनकी भक्ति की भावना से ओतपोत कर दिया। कक्षा एक के विद्यार्थियों ने भारतीय इतिहास के महान नारियों की गौरव गाथा को बहुत ही आत्म्यता से जीवंत किया तो मंच पर मीराबाई कृष्ण की भक्ति नायकी देवी साहस रानी राशन मोनी के सामाजिक योगदान, जीजाबाई के देशभक्ति पूर्ण योगदान व की वीरता की सजीव व सराहनीय प्रस्तुति देते हुए भारतीय नारियों की गौरव गाथा विशेष पर केंद्रित कार्यक्रम में रथ यात्रा उत्सव को भी मनाया गया। इस अवसर पर सरला बिरला विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ. गोपाल पाठक एवं प्रिंसिपल परमजीत कौर सहित अन्य सभी शिक्षक शिक्षिकाएं एवं अभिव्यक्ति अभिभावक गण उपस्थित थे।

टेंडर हार्ट स्कूल रांची के अस्मिता को 8वां सीन

टेंडर स्कूल रांची की कक्षा 1 में पढ़ने वाले छात्र अस्मिता ने नेशनल हैड्स प्रतियोगिता में देश भर में आठवां स्थान को हासिल कर लिया। देश के टॉप 10 प्रतिभागियों में अस्मिता झारखंड राज्य से एकमात्र प्रतिनिधि रही। विद्यालय की प्राचार्य उषा किरण झा उप प्राचार्य शिवांगी शुक्ला निदेशक जे मोहंती शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने अस्मिता को बधाईया दी ।

NCC बटालियन ने 23 मेडल जीते : टेंडर हार्ट स्कूल रांची की एनसीसी बटालियन ने खेल गांव में आयोजित 10 दिनो की एनसीसी प्रशिक्षण कैंप में भाग लेते हुए 23 मेडल जीते। विभिन्न शारीरिक सांस्कृतिक एवं सैन्य प्रतियोगिताओं में 42 मेडल के लिए सभी प्रतिभागियों ने एक दूसरे को कड़ी प्रतिस्पर्धा दी। इसमें इस कैंप में रांची व अन्य आसपास के क्षेत्र से आए 500 से अधिक कैंडिडेट्स ने भाग लिया था। इस अवसर पर प्राचार्या उषा किरण झा निदेशक जे महोंती और शिवांगी शुक्ला ने सभी छात्रों को बधाईया दी।

टेंडर हार्ट स्कूल में फैटी लीवर की निशुल्क जांचः टेंडर हार्ट स्कूल में फैटी लीवर की समस्या को लेकर एक स्वस्थ कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें 12 से 18 वर्ष के बच्चों के फैटी लीवर की बिना किसी दर्द वाली जांच होगी एवं उन्हें दवा भी निशुल्क दी जाएगी। केंद्रीय रक्षा मंत्री संजय सेठ अपनी सांसद निधि से फैटी लीवर की जांच के लिए आधुनिक मशीने मंगवाई हैं जो जल्द ही विशेष मोबाइल वैन के माध्यम से रांची के विभिन्न स्कूलों तक पहुंचा जाएगी ।

दिल्ली पब्लिक स्कूल, राँची में अलंकरण समारोह

दिल्ली पब्लिक स्कूल, राँची के कक्षा 5 के विद्यार्थियों के लिए **अलंकरण समारोह** का आयोजन । समारोह का शुभारंभ संगीत

प्रस्तुति द्वारा किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि माननीय श्री अनूप बरतरिया जी, इंस्पेक्टर जनरल, झारखंड विशेष कार्य बल, विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय श्री ए.दोड्डे जी, आई.ए.एस. झारखंड, राजस्व पंजीकरण और भूमि सुधार विभाग,विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती डॉ. जया चौहान, शिक्षकवृन्द, अभिभावकगण, विद्यार्थिवृन्द एवं प्रेस और मीडियाजन उपस्थित थे। कार्यक्रम द्वारा विद्यालय के प्राथमिक विंग के हेड बॉय, हेड गर्ल के साथ – साथ विभिन्न सदनों के अध्यक्ष, कप्तानों, उपकप्तानों, छात्र परिषद के नवगठित कार्यकारिणी सदस्यों को बैज और सैसे देकर औपचारिक रूप से उन्हें उनका कार्यभार सौंपा गया। सभी नवनिर्वाचित सदस्यों ने विद्यालय संबंधित अपने कर्तव्यों के प्रति सदैव जागरूक रहने की शपथ ली। प्राचार्या विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अपने नेतृत्व, समर्पण और कड़ी मेहनत के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि यह समारोह छात्रों में आत्मविश्वास, जिम्मेदारी और विद्यालय के विकास के प्रति उनके समर्पण की भावना को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। सभी शिक्षकों एवं अन्य सदस्यों को भी उल्लेखित किया जो इस कार्यक्रम के सुचारू रूप से किए गए संचालन में संलग्न थे। मुख्य अतिथि महोदय ने विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से किए जा रहे वैविध्यपूर्ण प्रयासों की अनेकानेक प्रशंसा की तथा इन विद्यार्थियों को आने वाले भविष्य का नेतृत्वकर्ता बताया। इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों को स्कूल और समुदाय के प्रति अपनी भूमिका को समझने और उसमें योगदान करने के लिए प्रेरित करते हैं। विशिष्ट अतिथि महोदय ने भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना के साथ उनके परिश्रम और विद्यालय के प्रयासों की भूरी – भूरी प्रशंसा की। अंत में छात्र परिषद के हेड बॉय आरव गुप्ता तथा हेड गर्ल अन्नी चौबे ने अपने धन्यवाद ज्ञापन में कहा कि नायकत्व केवल एक पदवी नहीं वरण अपने साथ उत्तरदायित्व तथा अपनी प्रतिभा को निखारने का सुअवसर लेकर आता है, जिसके लिए वे सदा तत्पर रहेंगे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का शुभ समापन किया गया।

कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट 2025 में उत्कृष्ट प्रदर्शनः अपनी अद्भुत मेधा शक्ति का प्रदर्शन करते हुए, दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची के विद्यार्थियों ने कॉमन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट 2025 में शानदार प्रदर्शन किया है। विद्यार्थियों में शुभान शर्मा, कुमार चौतन्य, ध्वनि मिश्रा, विजाया, अनन्या आशी राज, अश्का सिंह, अंकुर भास्कर, सावनजीत, मिरियालु मार्तंड मोहित नायडू, पियूष अग्रवाल, अभिनव कुमार, श्रेयांशी मिश्रा, मयंक राज, काम्या अग्रवाल, ऋषभ तिवारी, दीपेश वर्मा, निधि बसंत प्रकाश, उन्नति आर्य, मनीषा और अनेक अन्य विद्यार्थी शामिल हैं। उपलब्धि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को विद्यालय की प्राचार्या डॉ. जया चौहान ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा, "हम अपने विद्यार्थियों पर अत्यंत गर्व महसूस कर रहे हैं, जिनकी कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और आत्मविश्वास ने विद्यालय का नाम रोशन

किया है। मैं सभी उत्तीर्ण विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देती हूं।"

दिल्ली पब्लिक स्कूलः हेड गर्ल अवनी चौबे तो हेड बॉय बने अब गुप्ता(डीपीएस)– डीपीएस स्कूल ,रांची के विवेकानंद सभागार में कक्षा 5 के विद्यार्थियों के अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसके मुख्य अतिथि इंस्पेक्टर जनरल अनूप बि
रथरेऔर विशिष्ट अतिथि के तौर पर भूमि सुधार विभाग के एक. दोड्डे और प्रिंसिपल डॉ. जया चौहान आदि उपस्थित थे।छात्र परिषद में हेड गर्ल में अवनी चौबे तो हेड बॉय के तौर पर आरव गुप्ता को चुना गया ।विभिन्न सदनों के अध्यक्ष, कप्तानों उपकप्तानों छात्र परिषद नवगठित कार्यकारिणी सदस्यों को बैज और सैशे देकर औपचारिक रूप से उन्हें कार्यभार देते हुए मनोनीत किया गया।

Kairali School, Dhurwa, Ranchi Celebrates

international Yoga Day with Zeal

Kairali School, Dhurwa, Ranchi celebrated International Yoga Day on June 21, 2025, with great enthusiasm community spirit with an aim for promoting yoga and wellness among students and staff. The event began with a traditional lamp lighting ceremony, conducted by the Principal of the school, Shri Rajesh Pillai and Vice Principals Mrs Suja Pillai and Mrs K R Smriti ,symbolizing the lighting of the path to knowledge and wellness and at the same time setting a serene and spiritual tone for the event.

The lamp lighting ceremony was followed by the insightful words of the Principal, highlighting the importance of yoga in our lives. He emphasized that health is our most important possession, far more valuable than wealth. He also stressed that precaution is better than cure and encouraged incorporating yoga into daily life, beyond just celebrating it for one day. He wished everyone a Happy Yoga Day, inspiring students and teachers to adopt yoga as a way of life. The Principal's address was followed by a yoga session led by the Yoga teacher Mrs Neha Gupta,who explained the importance of every yoga posture along with its benefits. Students and teachers participated enthusiastically in various yoga postures, pranayama, and mantra chanting. This session underscored the cultural and spiritual roots of yoga, promoting a holistic approach to wellness.

The event was conducted in a serene and spiritual ambience, aligning with the national theme "Yoga for One Earth, One Health." This theme emphasizes the interconnectedness of individual health and the health of the planet, encouraging a balanced and sustainable lifestyle. The success of the event was attributed to the coordination of Mrs Neelam Baxla. The collective efforts of all the PE teachers also played a significant role in making the event a resounding success.

संत माइकल स्कूल रांची में

पौधारोपण कार्यक्रम

संत माइकल स्कूल रांची में पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक रजत बहल प्रधानाचार्य डॉ. सुभाष कुमार के साथ अन्य पांच विद्यालय के प्रधानाचार्य भी उपस्थित थे।

सेंट जॉन्स स्कूल रांची को

सुव्रर्तो कप अंडर 15 फुटबॉल ब्वायज खिताब

सुब्रतो कप, रांची जिला फुटबॉल अंडर 15 बॉयज का फाइनल खेल गांव के प्रैक्टिस ग्राउंड में खेला गया। खेले गए फाइनल मुकाबले में सेंट जॉन्स ने आसानी से तमाड को 4–0 से हराया। एक तरफ हुए इस मैच में टूर्नामेंट के बेस्ट खिलाड़ी मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय कांके के आलोक मुंडा बने। आलोक मुंडा ने टूर्नामेंट में सबसे अधिक 9 गोल किए। संत जॉन्स स्कूल के खिलाड़ियों को प्रिंसिपल ने बधाइयां और भविष्य में बेहतर करने की शुभकामना में दी।

कोलकाता पब्लिक स्कूल रांची में

114 प्रोजेक्ट की प्रदर्शनी

कोलकाता पब्लिक स्कूल ,ओरमांझी में प्रदर्शनी मंथन का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल 1– 12वीं तक के छात्रों ने जीव विज्ञान रसायन शास्त्र भौतिकी गणित मानवकी अंग्रेजी वाणिज्य आदि विषयों से संबंधित कुल 114 प्रोजेक्ट प्रदर्शित करते हुए धरती की संरचना सिंधु घाटी के सभ्यता मानव के विकास से लेकर विभिन्न प्रकार के सिक्कों सहित जल वर्षा संरक्षण पवन ऊर्जा कचरा निष्पादन हाइडल प्रोजेक्ट कचरा से विद्युत उत्पादन से जुड़ी हुई अपनी कल्पनाओं को अपने प्रोजेक्ट में प्रदर्शित किया।

बिशप वेस्टकोट स्कूल रांची में

पौधारोपण अभियान

नामकोम स्थित बेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल और वेस्ट कॉट बॉयज स्कूल में संयुक्त पूर्व छात्र ईवा एक्सवेस्टकॉटियन एसोसिएशन द्वारा पौधारोपण अभियान चलाया गया। दोनों स्कूलों के बच्चों ने सक्रिय रूप से भाग लेते हुए 100 से अधिक पौधों का रोपण किया।

जिला स्कूल में प्रतिभा सम्मान

जिला स्कूल परिसर रांची में 10–12वीं कक्षा के मेधावी छात्र–छात्राओं के लिए प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें स्कूल के ही पूर्ववर्ती छात्र और वर्तमान के माध्यमिक शिक्षा निदेशक राजेश प्रसाद ने (मुख्य अतिथि) टॉपर

विद्यार्थियों को सम्मानित किया और छात्राओं को संघर्ष करने के लिए प्रेरित भी किया। इस अवसर पर अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति बच्चों द्वारा की गई ।

कैब्रियन स्कूल रांची में पुस्तक मेला

कैब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड में ऑक्सफोर्ड बुक स्टोर के सहयोग से पुस्तक मेले का आयोजन किया गया ।आनंदमयी सिंह ने मेले का उद्घाटन करते हुए कहा की पुस्तक आज भी ज्ञान का सर्वश्रेष्ठ साधन है। इस पुस्तक मेले में विभिन्न प्रकार के पुस्तक के थी जिसमें क्लासिक फ्रिक्शन नॉन फिक्शन स्टोरी आर्ट सहित अन्य विभिन्न विधाओं की पुस्तक गई थी।

सुरेन्द्रनाथ सेकेंडरी स्कूल रांची में
कठपुतली शो का आयोजन

सुरेंद्रनाथ सेकेंडरी स्कूल, रांची में स्पीक मेक की सहायता से कठपुतली शो का आयोजन किया गया। जिसमें कठपुतली के प्रसिद्ध कलाकार पूरण भट्ट अक्षय पटवा वरुण भट्ट एवं अन्य सहायक कलाकार टीम में शामिल थे। कक्षा 6–7 छात्र के दशक के रूप में शामिल हुए थे पूरन भट ने पारंपरिक कठपुतली से भारत की समृद्धि संस्कृति विरासत आदि को प्रदर्शित बहुत ही बेहतरीन ढंग से किया। टेबल वाली कठपुतली छात्रों के दस्ताने वाली कठपुतली तीन हाथ वाली कठपुतली और रॉड वाली कठपुतली जैसे विभिन्न प्रकार के कठपुतलियां के बारे में जानकारी दी गई।

संत अरविंदो अकादमी रांची में
चार दिवसीय एक्टिविटी कैंप

चार दिवसीय एक्टिविटी कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में कक्षा नर्सरी से यूकेजी के छात्र, छात्राओं ने भाग लिया । यह कार्यक्रम उप प्रधानाचार्या श्रीमती राखी मिश्रा तथा नर्सरी से यूकेजी तक की शिक्षिकाएं रंजीता मिश्रा प्रियंका सिंह और माधुरी शर्मा के देखरेख में किया गया । कैंप में प्रत्येक दिन के लिए अलग–अलग ड्रेस कोड लाल ,पीला, गुलाबी और ब्लू रखा गया । पहले दिन बच्चों को योग , खान–पान के साथ बैठने के तौर तरीके भी सिखाए गए । दूसरे दिन बच्चों को खेल के माध्यम से खेल के बहुत से तरीकों को सिखाया गया तीसरे दिन बच्चों को ड्राइंग के द्वारा विभिन्न रंगों की पहचान कराई गई ।चौथे दिन बच्चों को नृत्य –गान कराया गया। इस प्रकार इस एक्टिविटी कैंप में बच्चों ने बहुत ही मनोरंजन किए तथा बहुत सारे चीजों को सीखें। अंत में हमारी प्रधानाचार्या स्वाति मिश्रा ने कहा कि इस प्रकार के एक्टिविटी कैंप के द्वारा बच्चों में अनेक नैतिक गुणों का विकास होता है साथ ही बच्चे विभिन्न तरह के चीजों को सिखते हैं।

भव्य अंग्रेजी सुलेखः संत अरविंदो अकादमी में एक भव्य अंग्रेजी सुलेखप्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य छात्रों की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करना और उनकी कला क्षमता को एक नया आयाम देना। इस प्रतियोगिता में कक्षा नर्सरी से 12वीं तक के छात्र – छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता को चार भागों में विभाजित किया गया। छात्रों ने अपनी कला के माध्यम से अद्भुत कल्पनाशक्ति और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में प्रथम द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या। स्वाति मिश्रा ने प्रतियोगिता के समापन पर सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी और कहा ऐसी प्रतियोगिताएं छात्रों के समग्र विकास के लिए आवश्यक है।

मारवाड़ी ब्राह्मण सभा रांची ने
प्रतिभा को सम्मानीत किया

मारवाड़ी ब्राह्मण सभा रांची द्वारा प्रतिभा सम्मान समारोह, 2025 का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम विशिष्ट एवं मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किया गया। समाज की महिला सदस्यों द्वारा गणेश वंदना एवं सरस्वती वंदना कर कार्य किया गया सभा के अध्यक्ष श्री अशोक पुरोहित ने स्वागत भाषण दिया। अध्यक्ष अशोक पुरोहित, मंत्री कृष्णा लाल शर्मा एवं कार्यक्रम संयोजक श्याम सुंदर गोवला ने विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश शर्मा, सीए (अध्यक्ष विप्र फाउंडेशन) और मुख्य अतिथि चंदन मिश्र (पुर्व सम्पादक, हिन्दुस्तान को मोमेंटो और पुष्प गुच्छ देकर एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। संयोजक श्याम सुंदर गोवला ने प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किए जाने की जरूरत पर अपने विचार रखे। विशिष्ट अतिथि जयप्रकाश शर्मा सीए ने अपने उद्बोधन में समाज के प्रतिभाशाली बच्चों को आशीर्वाद देकर मनोबल बढ़ाया और कहा कि बच्चों को परिवार एवं समाज में अपनी प्रतिष्ठा बनाने का प्रयास करना चाहिए। इसके उपरांत मुख्य अतिथि चंदन मिश्र जी ने भी अपने भाषण में सभी बच्चों को उनकी सफलता के लिए बधाई दी और कहा कि जीवन में उंचाई पर पहुंचना बड़ी बात नहीं है, बड़ी बात है उस ऊंचाई पर बने रहना। प्रतिभाशाली बच्चों वेदांत शर्मा, यशस्वी शर्मा, अवतांश शर्मा,(केट) नैतिक जोशी, तेजस्विनी जोशी, शोर्य शर्मा, हर्षिता जोशी, मयंक भारद्वाज, जिज्ञासा शर्मा, प्रथम शर्मा, आरव शर्मा, शुभ वशिष्ठ, जय किशन वशिष्ठ (सी.ए.), तनिष शर्मा, मनन दाधीच, तेजस्वी शर्मा, शोर्य शर्मा, दिव्यांशु शर्मा और स्नेहा शर्मा , आलोक दाधीच (सीएफए) और दक्ष शर्मा को विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य अतिथि द्वारा मोमेंटो एवं सम्मान–पत्र दे कर सम्मानित किया गया। बच्चों ने सीए, केट, दसवीं और बारहवीं की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

मंत्री कृष्णा लाल शर्मा जी ने कार्यक्रम की सफलता पर बधाई दी सभी आए हुए अतिथियों को अपना बहुमूल्य समय निकाल कर आने पर धन्यवाद दिया। तदोपरांत अहमदाबाद में हुई हवाई दुर्घटना में जान गवाने वाले लोगों के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई और अंत में राष्ट्रगान के साथ आज के इस प्रतिभा सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संपन्न कराने में सह संयोजक मनीष शर्मा, दीपक शर्मा के साथ कमल शर्मा, नथमल शर्मा, ने पुरा सहयोग किया। इस कार्यक्रम में पुर्व अध्यक्ष रमेश चंद्र शर्मा, उपाध्यक्ष गुलाब शर्मा, उपमंत्री महेन्द्र शर्मा, प्रदीप शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य धर्मचंद शर्मा, ललित माटोलिया, कृष्णा शर्मा, ओमप्रकाश जाटोलिया, अनिल शर्मा, योगेश सारस्वत, विनय जोशी, चेतन माटोलिया, रामगोपाल जी दायमा, पवन गोवला, डा. विजय शर्मा, राजेश कौशिक, झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष बसंत कुमार मित्तल सहित महिला सदस्या ममता शर्मा, पिंकी शर्मा, प्रभा शर्मा, अन्नू शर्मा, बिन्दु शर्मा, सुनिता शर्मा तनुजा शर्मा सहित काफी संख्या में समाज के लोगों ने हिस्सा लिया।

विशप वेस्टकॉट बॉयज स्कूल, रांची

तीन दिवसीय सीबीएसई जोनल एथलीट मीट का समापनः खेलगांव में हुआ। सबसे अधिक पॉइंट जीत कर विशप वेस्टकॉट बॉयज स्कूल, नामकुम के आश्रित कच्छप ने इंडिविजुअल

चैंपियनशिप का खिताब हासिल कर लिया। अंदर 19 बालिका वर्ग में और बालक वर्ग में सेंट जेवियर्स ने अपना परचम लहराया तो अंदर 17 में बालिका वर्ग में विशप वेस्टकॉट गर्ल्स स्कूल, डोरंडा और बालक वर्ग में डब्ल्यू जॉन मल्टीपरप्स बोर्डिंग स्कूल ने किताब अपने नाम किया ।अंडर 14 बालिका वर्ग में सेक्रेट हार्ट स्कूल हुलहुंडू ने किताब अपने नाम किया।

विकास भारती बिशुनपुर

विकास भारती बिशुनपुर के केंद्रीय मुख्यालय बिशुनपुर, गुमला में झारखंड राज्य के महामहिम राज्यपाल संतोष गंगवार जी का आगमन हुआ। महामहिम राज्यपाल ने अपने तक्षशिला आश्रम के मुख्य गेट पर अवस्थित बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कियें। महामहिम राज्यपाल ने विकास भारती द्वारा चलाये जा रहे आश्रमों, परियोजनाओं सहित सृजन परिसर में लगाये गये विभिन्न स्टालों केवीके विकास भारती गुमला, कुम्हारगिरि के स्टॉल, सी.एफ.सी. स्टॉल, कारीगर पंचायत, भेषज उद्यान, गौशाला, सुक्का बृजिया हॉस्पिटल का बड़ी बारीकी से अवलोकन कर सृजन परिसर में मौलश्री का पौधरोपण कियें।

विकास भारती द्वारा विगत 36 वर्षों से जनजातीय समाज के बच्चोंध बच्चियों हेतु चलाये जा रहे निःशुल्क विद्यालय "ज्ञान निकेतन" परिसर में महामहिम का आगमन हुआ. यहाँ महामहिम राज्यपाल बच्चों के साथ बाल संवाद कार्यक्रम में उपस्थित हुयें।

इस दौरान गुमला की उपायुक्त श्रीमति प्रेरणा दीक्षित, एसपी श्री हारिस बिन जमा, विकास भारती के विभिन्न अधिकारी सहित अनेक प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहें।

सीबीएसई 10वीं बोर्ड 1 साल में दो बार

2026 से नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के प्रावधानों के अनुरुप सीबीएसई ने यह फैसला लिया है कि एक बार मुख्य परीक्षा हो और फिर छात्रों को इच्छा अनुसार फिर से सुधारने का अवसर दिया जाए पहली परीक्षा की अनिवार्यता से छात्र उसे गंभीरता से लेंगे दूसरी परीक्षा देना वैकल्पिक और उनकी इच्छा पर निर्भर होगा प्रदर्शन सुधारने के लिए अगर वह चाहे तो दूसरी बार परीक्षा दे सकते हैं दो बोर्ड परीक्षाएं उनके लिए श्अपॉर्चुनिटी शॉपिंगश नहीं होगी।

महीने में एक दिन विद्यार्थी सीखेंगे व्यावसायिक काम

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत प्रत्येक वर्ष 10 दिनों तक बच्चे बिना स्कूल बैग के विद्यालय जाएंगे और पढ़ाई के जगह फिजिकल एक्टिविटीज करेंगे ।वह अपने इच्छा के अनुसार के काम सीख कर अपने हुनर को बढ़ा पाएंगे। यहां तक कि वह किसी एक दिन पर्यटन पर भी जाएंगे। झारखंड शिक्षा परियोजना के स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टर शशि रंजन ने कहा कि पिछले हर बार भी ऐसा प्रयोग किया गया था जिसका परिणाम काफी सकारात्मक आया इसलिए इस बार भी स्कूलों को यह निर्देश दिया गया है कि वह साल में 10 दिन तक बच्चों को बगैर स्कूल बैग के विद्यालय बुलाएंगे। यह पूरी तरह विद्यालय पर निर्भर करेगा कि वह किस दिन ऐसा कार्यक्रम रखना चाहते हैं सप्ताह में या फिर महीने में एक दिन एसपीडी ने कहा कि आमतौर पर स्कूल महीने के अंतिम शनिवार को यह कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं इसके लिए कुम्हार बढई दर्जी आदि इश स्कूलों में बुलाया जाता है वह बच्चों को उनके पसंद का काम सीखाते हैं। यह कार्यक्रम आठवीं तक के बच्चों के लिए सभी सरकारी स्कूलों में कार्यान्वित होगा।

सीफोर स्कूल रैंकिंग 2025: सीफोर सर्व 2025 में 16 अलग–अलग श्रेणियां में 93 शहरों में 45000 से अधिक स्कूलों का मूल्यांकन किया गया। जिसमें पाठ्यक्रम की प्रासंगिकता एवं शिक्षण पद्धति नेतृत्व प्रशासन, शिक्षकों की दक्षता उनके छात्रों से संबंध, छात्रों से संबंधित अन्य क्रियाकलाप खेल एवं सह पाठयक्रम जैसी गतिविधियों में स्कूल को अंक प्रदान किया गया। यह सर्वे मार्च से जुलाई के बीच किया गया जिसमें कक्षा 10 से 12 के छात्र शिक्षक अभिभावक प्रिंसिपल और स्वतंत्र शिक्षा विदों से उनकी प्रतिक्रियाओं को एकत्रित किया गया था। कोएड स्कूल कैटिगरी सीफोर स्कूल सर्वे 2025 ने रांची स्कूल रैंकिंग में जारी की जिसमें इसमें टॉप फाइव स्कूल की रैंकिंग कुछ इस प्रकार है जिसका कुल अंक 1450 था रैंकिंग– स्कूल नेम–प्राप्तांक

पहला स्थान – डीपीएस स्कूल–1111
दूसरा स्थान– लेडी कैसी राय मेमोरियल स्कूल –1085
तीसरा स्थान –माउंट कार्मल स्कूल –1058
चौथा स्थान– संत माइकल स्कूल– 1047 पांचवा स्थान– सुरेंद्रनाथ सेकेंडरी स्कूल– 10 24 इसी प्रकार

बोर्डिंग स्कूल में पहला स्थान ओडिएम सफायर ग्लोबल स्कूल 1147 और बेस्ट को एड रेजिडेंशियल स्कूल में टोरिएन वर्ल्ड स्कूल 11 8 7 अंक के साथ पहले पायदान पर रहा।

नई शिक्षा नीति में खेल बनेगा पाठ्यक्रम: खेलो भारत नीति 2025 लागू करने की मंजूरी दे दी है। यह नीति 2001 की पुरानी खेल नीति के स्थान पर होगी और भारत को खेल के मामले में टॉप 5 देश में शामिल करने का प्रयास में एक महत्वाकांक्षी रूपरेखा तैयार करने में मदद करेगी। नई नीति में खेलों को अब शिक्षा ,रोजगार और राष्ट्रीय गौरव से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। अब सिर्फ खेल क्लबो तक सीमित न रह कर हर नागरिक, हर गांव और हर स्कूलों तक खेलों को पहुंचना सुनिश्चित करना लक्ष्य होगा ताकि 2036 ओलंपिक मेजबानी की संभावनाओं को बल मिले। स्कूल स्तर पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत खेलों को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में शामिल करने की नीति तैयार कर ली गई है। फिटनेस सूचकांक जैसे पहल से शारीरिक स्वास्थ्य को शैक्षिक मूल्यांकन का हिस्सा बनाएं जाएगा। स्कूलों के शारीरिक शिक्षा के शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण देकर खेलों की पेशावर ट्रेनिंग दी जाएगी। खेल के हर छात्र के लिए नियमित खेल भागीदारी को सुनिश्चित की जाएगा। अब खेल सिर्फ मस्ती नहीं एक पाठ्यक्रम बन जाएगा।

ब्लॉक स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में पारंपरिक खेलों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से मुख्य धारा से भी जोड़ा जाएगा। हर ब्लॉक में खेल परिसर और प्रशिक्षण की सुविधा विकसित होगी और खेल को बढ़ावा दिया जाएगा। राष्ट्रीय स्तर पर देश में ओलंपिक जैसे आयोजनों के लिए भारत को दावेदार बनाने के लिए पीपीपी मॉडल और सीएसआर फंडिंग के जरिए खेलों में निजी निवेश को भी बढ़ावा देने का प्रयास किया जाएगा। खेल नीति को राज्यों के लिए आदर्श मॉडल बनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

रजत जयंती वर्ष

मासिक पत्रिका Regn. No. : JHABIL/2015/74404

स्कूल एरा

एज आफ एजुकेशन

schooleraranchi manoj101067 schoolerafun schoolera2015

रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में स्कूल एरा द्वारा आयोजित कार्यक्रमों को विभिन्न स्कूलों में आयोजित किया जाएगा तथा ये कार्यक्रम पूरे वर्षभर झारखण्ड के विभिन्न स्कूलों में आयोजित किया जा रहा है।

अधिक जानकारी के सम्पर्क करें – 9835163660 एवं 8210945031

SCHOOL ERA COMPETITION

प्ले स्कूलों में भी यह कार्यक्रम आयोजित की जा रही है।	
School Era Pre to U.K.G.	
	1. Cultural Program - Poem/ Dance 2. To Fill with Colour 3. Mother Song (School Era)
Group-A (Pre-Nur, L.K.G, U.K.G)	
[रंग भरो]	
Pre-Nur	Apple, Ball, Sun
L.K.G	Tree, Flower, Rainbow, Vegetable
U.K.G	1. Mountain + Rainbow + Tree 2. Vase + Flowers 3. Sunset + Mountain + hut 4. Duck + water
Group –B (Painting)	
Class -1 to 3	1. Nature 2. Save Tree 3. Our House 4. Flower + Vase 5. Traffic lights and Road
Group – C : (Painting competition)	
Class –4 to 6	1. Rocket /Robot 2. Nature 3. Air pollution/water Pollution 4. Newspaper 5. Our Earth 6. Vegetable basket 7. Our computer

Group - D	Painting competition
Class- 7 to 10	1. Our solar system 2. Joint family 3. Our childhood
Group – A (Essay writing (200 words)	
Class -7 to 9	1. Discipline in education 2. Damaged of War 3. Nationalism 4. Tariffs War 5. Value of grandparents 6. Climates changes 7. Health is wealth
Group-B	**(Essay writing [300 wards]**
Class - 10 to 12	1.Tariff War 2.Nationalism 3.Value of Joint Family 4. Food wastage in Weddings and How to Reduce? 5.Benefits of Cycling
School ERA Rangoli competition	
Class - 8 to 12	1. SCHOOL ERA logo SILVER JUBLI 2. Traditional 3. Save our Earth 4. Women empowerment
School ERA Cultural program competition	
	1. School ERA Mother song. 2. Group song 3. Group dance

"स्कूल एरा के रजत जयंती वर्ष कार्यक्रम के उपलक्ष पर डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल, रांची में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन करते स्कूल के प्राचार्य विपीन राय साथ में स्कूल एरा के प्रधान संपादक श्री एन.के. मुरलीधर, ब्यूरो चीफ डॉ. शीतल कुमारी व कॉलेज एरा के प्रधान संरक्षक श्री मृत्युंजय सिंह एवं शिक्षकगण।

- स्कूल एरा के मदर सॉग प्रस्तुत करती स्कूल की छात्राएं

- वेलकम सॉग प्रस्तुत करती स्कूल की छात्राएं

“ स्कूल एरा के रजत जयंती वर्ष कार्यक्रम के उपलक्ष पर डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल, रांची में आयोजित कार्यक्रम में पेंटिंग प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र–छात्राएं।

"स्कूल एरा के रजत जयंती वर्ष कार्यक्रम के उपलक्ष पर डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल, रांची में आयोजित कार्यक्रम में डांस प्रतियोगिता में भाग लेती छात्राएं।

“ स्कूल एरा के रजत जयंती वर्ष कार्यक्रम के उपलक्ष पर डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल, रांची में आयोजित कार्यक्रम में रंग भरो प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र–छात्राएं।

"स्कूल एरा के रजत जयंती वर्ष कार्यक्रम के उपलक्ष पर डीएवी कपिलदेव स्कूल कडरू, रांची में आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम का दीप जलाकर उद्घाटन करते स्कूल के प्राचार्य एम.के. सिन्हा साथ में स्कूल एरा के ब्यूरो चीफ डॉ. शीतल कुमारी व कॉलेज एरा के प्रधान संरक्षक श्री मृत्युंजय सिंह व यूनिर्वासल होंडा के रोड सेफ्टी एक्सर्पट एवं शिक्षकगण।

● स्कूल एरा के मदर सॉग प्रस्तुत करती स्कूल की छात्राएं

● वेलकम सॉग प्रस्तुत करती स्कूल की छात्र

"स्कूल एरा के रजत जयंती वर्ष कार्यक्रम के उपलक्ष पर डीएवी कपिलदेव स्कूल कडरू, रांची में आयोजित संस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेते छात्र–छात्राएं।

“ स्कूल एरा के रजत जयंती वर्ष कार्यक्रम के उपलक्ष पर डीएवी कपिलदेव स्कूल कडरू, रांची में आयोजित संस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेते छात्र–छात्राएं।

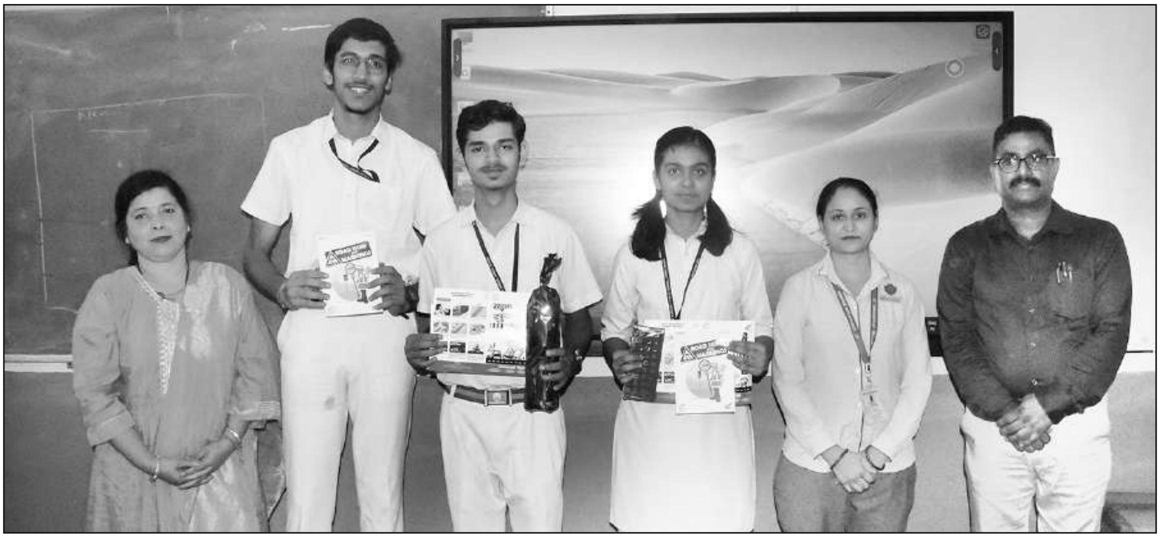

"स्कूल एरा के रजत जयंती वर्ष कार्यक्रम के उपलक्ष पर डीएवी कपिलदेव स्कूल कडरू, रांची में आयोजित संस्कृतिक कार्यक्रम व रंगोली प्रतियोगिता में भाग लेते छात्र–छात्राएं।

CAMPUS INTERVIEW D.A.V PUBLIC SCHOOL HEHAL RANCHI

- **Akanksha Kumari**

1. Sakshi Kumari, a student of D.A.V Public School Hehal, aspires to become a Doctor. Dosa is her favorite food, and she excels in Maths. She loves dancing and admires Sheela Ramesh Mam.

2. Shree Vedwati, wants to become a Teacher. Her favorite food is Idli, and she is good at Maths. Painting is her hobby, and she respects Sheela Ramesh Mam.

3. Manya Kumari, a student of D.A.V Public School, aims to become an I.A.S. officer. She enjoys eating Dosa and has a strong affinity for Maths. Dancing is her favorite hobby, and she looks up to Sheela Ramesh Mam. You can contact her at 7004213302.

4. Yogya Verma, aims to become an I.A.S officer. Dosa is her favorite food, and she excels in Maths. Dancing is her hobby, and she looks up to Anupama Rashi Mam.

5. Jigyasha Tiwaryl, dreams of becoming an IAS officer. Momos are her favorite food, and she excels in English. Dancing is her hobby, and she admires Ietu Shyya.

6. Samar Bhagat, a student of D.A.V Public School Hehal, aspires to join the Army. She is good at Maths and Science and enjoys drawing. She has respect for all her teachers and can be contacted at 6201638912.

7. Adrik Rathore, a student of D.A.V. Public School, aspires to become a Police Officer. His favorite food is Chola Bhatura, and he excels in Maths. In his free time, he enjoys shooting and admires all his teachers.

8. Sidhant Mishra, a student of DAV Public School, dreams of becoming a Cricketer. He loves eating Vadapav and is particularly good at Social Science. His hobby is playing cricket, and he has great respect for Ietu Mam.

ROYAL ENFIELD

For Accessories & Apparel Please Contact

RAGHU RAM AUTO CARE

Showroom
Garodia Heights, Harmu Road, Ranchi.
Ph: 8235150607, 8092071607, 7360011607

Workshop
Beside Reliance Fresh,
Ratu Road, Ranchi.
Ph: 9798211608, 7360011608

आघातः एक अनचाहा मेहमान जो हमारे जीवन में चुपचाप बस जाता है

● **अदिति विवेक भसीन**

कल्पना कीजिए कि आप अपने घर पर एक शानदार डिनर पार्टी आयोजित कर रहे हैं। आपने अपने करीबी दोस्तों और परिवार को बुलाया है। माहौल खुशनुमा है, लेकिन अचानक एक अनजान व्यक्ति दरवाजे से अंदर आ जाता है। आपने उसे आमंत्रित नहीं किया, फिर भी वह आपकी टेबल पर बैठ जाता है, आपके साथ खाना खाता है और आराम से जम जाता है। आप चाहते हैं कि वह चला जाए, लेकिन वह टस से मस नहीं होता। धीरे–धीरे, वह आपके घर का हिस्सा बन जाता है। आप उसकी मौजूदगी को नजर अंदाज करने लगते हैं, लेकिन एक दिन आपको एहसास होता है कि अब वह आपके घर के फैसले लेने लगा है - आप क्या खाएंगे, कैसे रहेंगे, किन लोगों से मिलेंगे, यहां तक कि आप कैसा महसूस करेंगे, यह भी वही तय करने लगा है।

एक मनोवैज्ञानिक का दृष्टिकोण

यही आघात (Trauma) है - एक अनचाहा मेहमान, जिसे हम आमंत्रित नहीं करते, लेकिन वह हमारे जीवन में चुपचाप घर बना लेता है।

आघातः जिसे हम पहचान नहीं पाते

अक्सर, जब हम **ट्रॉमा** यानी आघात की बात करते हैं, तो हमारे दिमाग में बड़ी घटनाएँ आती हैं — जैसे युद्ध से लौटे सैनिक, दुर्घटना के शिकार लोग, या बचपन में किसी गंभीर शोषण से गुजरे व्यक्ति। लेकिन आघात सिर्फ बड़े हादसों का परिणाम नहीं होता। यह बहुत सूक्ष्म, छुपा हुआ और कई बार अनदेखा किया गया दर्द भी हो सकता है। हममें से कई लोग आघात के शिकार होते हैं, लेकिन हमें इसका एहसास तक नहीं होता। क्योंकि समाज में इसे लेकर कोई जागरूकता नहीं है, या फिर हम यह मानते ही नहीं कि हमारी भावनात्मक तकलीफें आघात हो सकती हैं। हम इसे छोटी–छोटी परेशानियों का नाम देकर टाल देते हैं - बस, थोड़ा बुरा लग रहा है, ऐसा सबके साथ होता है, या मुझे अब तक इससे उबर जाना चाहिए था।

क्या है आघात?

आसान भाषा में कहें, तो आघात वह मानसिक और भावनात्मक जख्म है, जो किसी दर्दनाक अनुभव के कारण हमारे मन और शरीर पर असर डालता है। यह किसी बड़े हादसे के कारण हो सकता है, जैसे किसी प्रियजन की मृत्यु, दुर्घटना, या गंभीर बीमारी, लेकिन यह छोटी–छोटी घटनाओं से भी पनप सकता है - जैसे बचपन में उपेक्षा, स्कूल में बदमाशी (bullying), परिवार में लगातार तनाव, या अपमानजनक रिश्ते।

आघात क्यों नजर नहीं आता?

आघात का सबसे बड़ा भ्रम यही है कि यह हमेशा स्पष्ट नहीं होता। अगर हमें शारीरिक चोट लगे, तो खून दिखता है, दर्द महसूस होता है, और इलाज की जरूरत समझ आती है। लेकिन मानसिक आघात दिखता नहीं, और जब तक हमें इसका एहसास होता है, यह हमारे जीवन के हर पहलू को प्रभावित कर चुका होता है।

आइए इसे एक और उदाहरण से समझते हैं

कल्पना करें कि आपका मोबाइल फोन बार–बार गिरता है। शुरुआत में हल्की खरोंचें आती हैं, फिर स्क्रीन में दरारें पड़ने लगती हैं। एक दिन, फोन का टच स्क्रीन काम करना बंद कर देता है। आप सोचते हैं, "अचानक खराब हो गया! लेकिन असल में, यह अचानक नहीं हुआ—धीरे–धीरे, हर झटका फोन को नुकसान पहुँचा रहा था, और आखिरकार वह जवाब दे गया। आघात भी ऐसा ही होता है। कई बार, छोटी–छोटी घटनाएं मिलकर हमारे मानसिक स्वास्थ्य को कमजोर कर देती हैं। हमें यह तब महसूस होता है, जब यह हमारी भावनाओं, विचारों, और व्यवहारों को गहराई से प्रभावित करने लगता है।

कैसे पहचानें कि आपको आघात लगी है?

अगर आप खुद से ये सवाल पूछें, तो शायद आपको आघात के कुछ संकेत दिखें -

- क्या कोई पुरानी घटना बार–बार याद आती है और आपको बेचैन कर देती है?
- क्या आपको छोटी–छोटी बातों पर बहुत गुस्सा आता है या आप जल्दी डर जाते हैं?
- क्या आपको हमेशा लगता है कि आप अकेले हैं और कोई आपको समझ नहीं सकता?
- क्या आपको लोगों पर भरोसा करने में मुश्किल होती है?
- क्या आपका आत्मविश्वास बहुत कम हो गया है या आपको अपने बारे में बुरा महसूस होता है?
- क्या आपको नींद से जुड़ी समस्याएँ हैं, या हमेशा थकान महसूस होती है?

अगर इन सवालों के जवाब **हाँ** में हैं, तो यह संकेत हो सकते हैं कि आपके मन में कोई अनसुलझा आघात छुपा हुआ है।

आघात से उबरना संभव है!

हमेशा याद रखें, आघात वह अनचाहा मेहमान है, जो बिना बुलाए हमारे जीवन में आता है। लेकिन हमें उसे हमेशा अपने घर में रहने देने की जरूरत नहीं है। हम उसे पहचान सकते हैं, उससे सीख सकते हैं, और अंततः उसे जाने के लिए कह सकते हैं। अगर आप या आपके आसपास कोई आघात से जूझ रहा है, तो कृपया इसे अनदेखा न करें। मदद लें, बात करें, और अपनी भावनाओं को दबाने की बजाय, उन्हें स्वीकार कर उनसे उबरने की कोशिश करें। आघात को अपने जीवन का मालिक मत बनने दें - आप ही इसके मालिक हैं!

अकेले बैठनाः एक आत्मिक संगति या अकेलापन?

आज की भागदौड़ भरी दुनिया में **अकेले बैठना** एक विलुप्त हो रही कला बन गई है। मोबाइल की स्क्रीन, रील्स की गूंज और ऑनलाइन दुनिया की चकाचौंध ने युवाओं के मन से शांति और सन्नाटे की आदत छीन ली है। आज जब कोई युवा कहता है कि वह अकेला है, तो उसका अर्थ अक्सर ष्मैं अकेला महसूस कर रहा हूं होता है—ना कि मैं स्वयं के साथ हूं। एक मनोवैज्ञानिक के रूप में, मैंने देखा है कि अकेले बैठने से आत्म–जागरूकता आती है, निर्णय स्पष्ट होते हैं, और भावनाओं को समझने का समय मिलता है। लेकिन आज की पीढ़ी ने इस अभ्यास को **अकेलेपन** से जोड़ दिया है, जो चिंता, तुलना और सोशल मीडिया की आभासी भीड़ के कारण और गहरा हो जाता है।

'एक कहानी—'समीक्षा' की चुप्पी'

समीक्षा, 21 वर्ष की छात्रा, जो हर वक्त किसी न किसी ग्रुप में रहती थी। जब कोविड के समय कॉलेज बंद हुआ और वह घर आई, तो पहली बार उसे खुद से मिलना पड़ा। वह कहती थी—**जब मैं अपने साथ होती हूं, मुझे बेचौनी होती है। धीरे–धीरे**, थेरेपी में उसने महसूस किया कि उसका डर असल में **खालीपन** से नहीं, बल्कि **खुद को सुनने** से था। एक दिन, उसने झील के किनारे बैठकर खुद से पहली बार पूछा—**क्या तुम मुझसे बात करना चाहोगी?** वह रोई, और वहीं से उसकी असली दोस्ती शुरू हुई—अपने आप से। अकेले बैठना आत्म–मिलन का माध्यम है, जबकि अकेलापन एक भाव है—जहाँ आप खुद को दूसरों से अलग समझते हैं। फर्क इतना ही है कि क्या आप अकेले हैं क्योंकि आप चाहते हैं, या क्योंकि आपको और कोई नहीं मिला। युवाओं को चाहिए कि वे मोबाइल से नजर हटाकर, अपनी आत्मा की ओर देखें। जब हम खुद से जुड़ते हैं, तब जीवन की आवाजें साफ सुनाई देती हैं। 'क्योंकि कभी–कभी, सबसे गहरी बातचीत वही होती है जो बिना शब्दों के—अपने आप से होती है।'

डिग्रियां जो बन सकती हैं सुपरहिट कैरियर की गारंटी

● कीर्तिशेखर

व्यापक नजरिये से देखा जाये तो बेहतरीन नौकरी पाने के लिए अकेली डिग्री ही काफी नहीं है। संबंधित क्षेत्र की ग्रोथ व पेशेवरों की मांग और दक्षता जैसे कई कारक अहम हैं। लेकिन कई डिग्रियां वाकई जॉब्स की लगभग गारंटी मानी जाती हैं। हालांकि हॉट माने जाने वाले विषय की डिग्री बेहतरीन जॉब की पूरी गारंटी तभी होती है जब उसकी पढ़ाई उच्च स्तरीय शिक्षण संस्थान से की गयी हो।

हालांकि अंतिम रूप से कोई डिग्री कभी किसी कैरियर की गारंटी नहीं होती। बेहतर कैरियर यकीनी बनाने के लिए कई चीजें एक साथ जरूरी होती हैं। मसलन स्किल, मशहूर कॉलेज के साथ ही एक्सपीरियंस और इन सबके मेल से बने अवसर को भुनाने वाली एक बेहतरीन प्लेसमेंट। फिर भी कुछ डिग्रीज ऐसी होती हैं, अगर वे आपके पास हों तो जॉब बहुत आसानी से मिल जाता है और बेहतर कैरियर की संभावनाएं रहती हैं। फिर भी अकेली डिग्री कुछ नहीं होती, यह मानकर चलिए। इंटर्नशिप, सर्टिफिकेशन और नेटवर्किंग की भी अच्छा कैरियर हासिल करने में बड़ी भूमिका होती है। अगर ये सब सुयोग एक साथ मिल जाएं तो फिर कुछ डिग्रियां वाकई बेहतर भविष्य की गारंटी होती हैं। जानिये, ऐसी डिग्रियों के बारे में

कंप्यूटर / कंप्यूटर साइंस, एआई / डाटा साइंसः इन क्षेत्रों में हासिल की गई बीटेक/ बीएससी/ एमएससी/ एमटेक/ एमएस की डिग्रियां आज सबसे ज्यादा मांग वाली यानी कैरियर की दुनिया की हॉट डिग्रीज हैं। अगर इन विषयों में आपकी विशेषज्ञता है तो नौकरी की गारंटी है। आज की तारीख में सबसे ज्यादा मांग एआई इंजीनियर और डेटा साइंटिस्ट की है। इन क्षेत्रों में जहां कैरियर की गारंटी है, वहीं प्रारंभिक वेतन भी 6–15 लाख रुपये सालाना मिल जाता है और जब दो से तीन साल का एक्सपीरियंस हो जाता है, तब यही वेतन 20 से 30 लाख रुपये सालाना तक पहुंच सकता है। लेकिन यहां भी सब कुछ डिग्री भर नहीं है। इन डिग्री के होने के बावजूद आपने किस कॉलेज से ये डिग्रियां हासिल की हैं, आपके प्रोजेक्ट क्या रहे हैं, आपकी अपडेटिड स्किल्स क्या हैं? इन चीजों का भी बहुत असर होता है। अगर ये सब चीजें भी आपके पक्ष में हैं, तब तो ये डिग्रियां वास्तव में आपके लिए हॉट कैरियर की गारंटी हैं।

साइबर सिक्योरिटी / क्लाउड कंप्यूटिंगः अगर इन विषयों में आपके पास बीएससी और बीटेक की डिग्री या सर्टिफिकेट है, तो नौकरी की समस्या नहीं रहेगी। भारत में साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में साल 2026 तक 10 लाख नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है। अगर आप योग्य उम्मीदवार हैं और पर्याप्त अनुभव भी हासिल कर लिया है, तब तो समझिये कि नौकरी की गारंटी ही है। लेकिन अगर पर्याप्त अनुभव नहीं भी है डिग्री है और काम करने का हौसला है, तो भी

नौकरियों की कमी नहीं। इस क्षेत्र में भी शुरुआती नौकरी 6 से 18 लाख रुपये सालाना की मिल सकती है और दो–तीन साल अनुभव होने के बाद 20 लाख रुपये प्लस का पैकेज मिलना संभव है। क्लाउड कंप्यूटिंग का भविष्य इसलिए भी सुरक्षित लग रहा है, क्योंकि हाल के कुछ सालों में इस क्षेत्र में एक ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश हुआ है। अतः ये दोनों डिग्रियां आने वाले दिनों में हॉट कैरियर दिलवाने वाली डिग्रियों में शुमार रहेंगी।

एमबीए (बिजनेस एनालिटिक्स/ फाइनेंस/ आईटी) : एमबीए की डिग्री भी आज कैरियर के लिहाज से हॉट है। एमबीए इन बिजनेस एनालिटिक्स की डिग्री पर 4 से 6 लाख रुपये सालाना वेतन मिल सकता है और 4–5 साल का अनुभव होने के बाद वरिष्ठ भूमिका में 30 से 50 लाख रुपये सालाना का पैकेज मिलना बहुत मुश्किल नहीं। अगर आपने एमबीए इन फाइनेंसध्आईटी की डिग्री ले रखी है, तो समझ लीजिए शुरुआती पैकेज 10 से 12 लाख रुपये सालाना मिल सकता है और वरिष्ठ पद पर पहुंचने के बाद यही पैकेज 25–36 लाख रुपये सालाना का हो जाता है। लेकिन यह भी कि सभी संस्थानों से किया गया एमबीए का कोर्स बाजार में हॉट डिग्री नहीं होता। सिर्फ टॉप बिजनेस स्कूल जैसे ईआईएमध् एनआईटीआईईध् एनएलयूध् बीआईएमटीईसीएच आदि से होने पर ही प्लेसमेंट की 95 फीसदी और उससे ज्यादा की गारंटी है।

इंजीनियरिंग (पेट्रो./ कैमिकल/मैके./कॉम्प. इंजी.): पेट्रोलियम, कैमिकल इंजीनियरिंग डिग्री वालों को बहुत आसानी से नौकरी मिल जाती है। इन क्षेत्रों में बेरोजगारी लगभग न के बराबर होती है। पब्लिक सेक्टर अंडरटेकिंग के कैमिकल इंजीनियरिंग ग्रेड 95 पर्सेंट को शुरुआती पैकेज 12 से 20 लाख रुपये तक का मिल जाता है। लेकिन यहां भी आईआईटीध्एनआईटीध्टीयर–1 कॉलेज से डिग्री करने पर ही बेहतर प्लेसमेंट मिलता है वर्ना टीयर–2 में स्किल व एक्स्ट्रा वर्क महत्वपूर्ण हो जाता है।

मेडिसिन और एलाइड हेल्थ साइंस (एमबीबीएस/ बीएससी नर्सिंग/बीफामा/ बायोटेक) : अगर आपके पास ये डिग्रियां हैं तो न सिर्फ भारत में बल्कि विदेशों में भी आपके लिए नौकरी के दरवाजे खुले हुए हैं। विदेशों में भी भारतीय डिग्री वाले इन प्रोफेशनल्स की मांग बनी हुई है। इन पेशेवरों को शुरुआती वेतन एलाइड हेल्थ सर्विसेज में 4 से 8 लाख रुपये सालाना और एमबीबीएस डिग्री वालों के लिए खासकर स्पेशलिस्ट के लिए 8 से 30 लाख रुपये वार्षिक वेतन पाना संभव है।

लॉ/ फाइनेंस / कॉमर्स/ एक्चुरियल साइंस, और आर्किटेक्चर की डिग्री : इन सभी क्षेत्रों में से कोई एक डिग्री होने पर कहीं न कहीं कैरियर की गारंटी भी है। लेकिन बात वही है कि आपने कितने प्रतिष्ठित कॉलेज से ये डिग्री हासिल की है। बहरहाल अगर एलएलबी की डिग्री है और आप कार्पोरेट लॉ, इंटे. प्रॉपर्टी यानी आईपी या साइबर लॉ में एक्सपर्ट हैं, तो शुरुआती वेतन 6 से 15 लाख रुपये सालाना मिल जाता है। इसी तरह यदि आप बीकॉमध् सीएध् सीएफएसध् फाइनेंशियल एनालिस्ट हैं तो 10 से लेकर 20 लाख रुपये सालाना तक का पैकेज मिल जाता है। आर्किटेक्चर को शुरू में 5 से 10 रुपये सालाना का पैकेज ही मिलता है। लेकिन अगर सस्टेनेबल आर्किटेक्चर के क्षेत्र में आपकी विशेषज्ञता है, तो खूब पैसे हैं। लेकिन यहां पर भी टीयर–1 कॉलेज तथा प्रोफेशनल जुड़ाव आपकी डिग्री को ज्यादा वजन देते हैं। अगर प्राइवेट कॉलेज यानी टीयर–2 से आपकी डिग्री है, तो गारंटी थोड़ी कम है, मगर जॉब मिलना लगभग तय है। इस तरह ये कुछ क्षेत्र और उनकी विशेष डिग्रियां हैं जिनको लेकर कहा जा सकता है कि इनके होने पर अच्छी नौकरी की लगभग गारंटी ही है।

ए ग्रेट स्टोरी रामायण का विमोचन

बच्चों को अपनी संस्कृति और विरासत से जोड़ने की कोशिश है ए ग्रेट स्टोरी रामायण

झारखंड के वरिष्ठ रचनाकार श्री गंगा प्रसाद मिश्र रचित 'ए ग्रेट स्टोरी रामायण' का विमोचन इटखोरी स्थित मां भद्रकाली मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित संदीप कुमार पांडेय ने किया। यह अंग्रेजी में लिखी गई एक रंगीन किताब है, जिसमे रामायण की प्रमुख घटनाओं का वर्णन है। मौके पर गंगा प्रसाद मिश्र ने बताया कि इस पुस्तक के माध्यम से उन्होंने देश की संस्कृति और विरासत से नई पीढ़ी की पौधा को पहचान कराने की कोशिश की है। उन्होंने कहा कि ऐसे में यह पुस्तक बच्चों के चरित्र निर्माण में सहायक होगा। इससे पहले मिश्र की **संगीत कुसुम** और **गीत सागर** पुस्तक का प्रकाशन हो चुका है। मौके पर कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

CAMBRIDGE INSTITUTE OF TEACHERS EDUCATION

ANGARA, RANCHI - 835103, JHARKHAND
(Run & Managed by Kamla Nehru Vidya Mandir)
Recognised by : ERC, NCTE Bhubaneswar &
Affilited to Ranchi University, Ranchi

Courses - B.Ed. (2 Years)/ D.El.Ed. (2 Years)

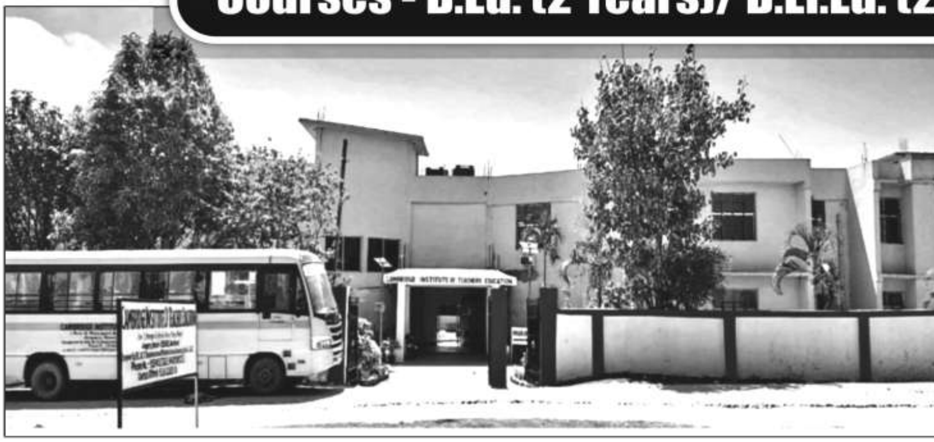

Vill - Baheya, PO- Angara, Distt.- Ranchi, Pin- 835103 (Jharkhand)

Contact for Admission Enquiry

9431680313, 9431581023, 7004122931

Vill - Baheya, PO- Angara, Distt.- Ranchi, Pin- 835103 (Jharkhand)

बेहतर 'ईक्यू' सफलता में मददगार–कार्पोरेट जॉब्स

● नरेंद्र कुमार

इन दिनों मल्टीनेशनल कंपनियों में इमोशनल इंटेलीजेंस (ईक्यू) चयन प्रक्रिया का अहम कारक बन गया है। सवाल है आखिर इमोशनल इंटेलीजेंस यानी भावनात्मक बुद्धिमत्ता को इतनी अहमियत क्यों दी जा रही है? विशेषज्ञों की मानें तो कार्पोरेट जगत में कामयाबी के लिए सिर्फ तकनीकी योग्यता से काम नहीं चलता। लंबी अवधि की सफलता, नेतृत्व क्षमता, टीम सहयोग और तनाव प्रबंधन –हर चीज के लिए सबसे जरूरी कारक इमोशनल इंटेलिजेंस ही है। यही कारण है कि आज कार्पोरेट जगत में चयन के दौरान आईक्यू से कहीं ज्यादा ईक्यू को अहमियत दी जा रही है।

बहु–सांस्कृतिक माहौल में जरूरी सामंजस्य

दरअसल बहुराष्ट्रीय कंपनियों में कर्मचारी किसी एक देश या एक क्षेत्र के नहीं होते। वे कई देशों, कई संस्कृतियों और कई भौगोलिक विशिष्टताओं वाले होते हैं। ऐसे में उनमें आपस में सहयोग, सहनशीलता और भावनात्मक समझ के बिना कोई कामयाब टीम कैसे बन सकती है? दरअसल बहुराष्ट्रीय कंपनियों में बेहतर टीम के विकास के लिए टीम लीडर के पास आईक्यू से ज्यादा ईक्यू की जरूरत होती है ताकि कर्मचारियों के बीच गलतफहमियां न पैदा हों, जिससे प्रोजेक्ट समय पर पूरे हों। टीम को लीड करने के लिए ऐसे व्यक्ति की जरूरत होती है, जिसका इमोशनल इंटेलीजेंस लेवल काफी अच्छा हो, जिसमें विभिन्न सांस्कृतिक विविधता वाले कर्मचारियों के बीच तालमेल बिठाना आता हो।

कार्पोरेट जगत में चयन के दौरान आजकल आईक्यू से ज्यादा अहमियत ईक्यू यानी भावनात्मक बुद्धिमत्ता से लैस उम्मीदवारों को दी जा रही है। दरअसल, नेतृत्व क्षमता, टीम से सहयोग व तनाव प्रबंधन के लिए खुद के साथ दूसरों को समझकर तालमेल बनाने का गुण जरूरी है। वहीं क्लाइंट को भी इक्यू लेवल वाला पेशेवर बेहतर तरीके से संभालता है।

मुश्किल समय में मोटिवेशन देने वाले

जिन लोगों का ईक्यू (भावनात्मक बुद्धिमत्ता) स्कोर बेहतर होता है, वे मुश्किल के समय उन लोगों से बेहतर संयम का प्रदर्शन करते हैं, जिनका आईक्यू बेहतर होता है और बहुराष्ट्रीय कंपनियों में क्योंकि काम का दबाव काफी ज्यादा होता है, डेडलाइन का प्रेशर होता है और टारगेट के साथ क्वालिटी वर्क की भी बहुत डिमांड रहती है, ऐसे में मोटिवेशन की जरूरत पड़ती है और यह मोटिवेशन कोई ईक्यू में बेहतर लीडर ही बनाये रख पाता है। इसलिए बहुराष्ट्रीय कंपनियों में जब टीम लीडर चुनने की बात आती है, तो बेहतर ईक्यू वाले लोगों को तरजीह दी जाती है। क्योंकि माना जाता है कि ऐसे लोग तनाव के समय पैनिक नहीं करते, समाधान केंद्रित सोच को अपनाते हैं व कठिन समय पर टीम के लोगों को भी बेहतर ढंग से संभालते हैं।

आदेश के बजाय प्रेरणा

आज बहुराष्ट्रीय कंपनियों को ऐसे कर्मचारी और टीम लीडर चाहिए, जो अपने सहयोगियों से काम लेते समय उन्हें आदेश न देकर उन्हें इंस्पायरिंग गाइड दें। कंपनियां अपने ग्लोबल टीम लीडर से चाहती हैं कि वह सहयोगियों की प्रतिभा पहचानने में देर न करे, जरूरी समय पर मोटिवेट कर सके और अगर संघर्ष की स्थिति बन जाए तो वह संतुलन बनाने में माहिर हो।

क्लाइंट्स रिलेशंस

कस्टमर को हैंडल करने, क्लाइंट को अपने पास बनाये रखने आदि में भी बेहतर ईक्यू वाले लोग ज्यादा कामयाब साबित होते हैं। इसलिए बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने कर्मचारियों और कर्मचारियों को लीड करने वाले प्रबंधक का चुनाव करते समय इन बातों को तरजीह देती हैं। क्लाइंट की जरूरतों और भावनाओं को समझने के लिए कर्मचारी व टीम लीडर का इमोशनल इंटेलीजेट होना जरूरी है। क्योंकि कम्प्लेन को संवदेनशीलता से संभालने में ज्यादा कामयाबी मिलती है।

एआई से बनी स्थितियां व समाधान

कार्पोरेट दुनिया एआई के हस्तक्षेप से बहुत तेजी से बदल रही है। ऐसे बदलावों के दौरान ईक्यू वाला कर्मचारी बहुत जल्द अनुकूल स्थितियां बनाने में कामयाब होता है। वह खुद तो किसी भी तरह के हालात से जल्द से जल्द सहज हो ही जाता है, अपने साथ के दूसरे लोगों को भी सहज बना लेता है। ऐसा व्यक्ति हमेशा डर की जगह अवसर देखता है। कंप्लीट रेजोल्यूशन में ईक्यू की भूमिका आईक्यू के मुकाबले बहुत ज्यादा आगे की होती है। ईक्यू से लैस लीडर किसी झगड़े की स्थिति में उसे तूल देने से पहले ही सुलझा लेते हैं। खुद को और दूसरों को समझाकर संतुलन लाते हैं। इससे वर्क कल्चर सकारात्मक बनती है। आईक्यू किसी को नौकरी भले आसानी से दिला दे, लेकिन आपको प्रमोशन और स्थायित्व तभी हासिल होते हैं, जब आपमें ईक्यू लेवल बेहतर हो। बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने कर्मचारियों के प्रबंधन हेतु ऐसे प्रोफेशनल चाहती हैं, जो तकनीकी रूप से तो सक्षम हों ही, पर मानवीय रूप में कहीं ज्यादा परिपक्व हों। इंटरव्यूज में आपसे सवाल किया जाता है, 'आपने आखिरी बार अपने गुस्से को कैसे हैंडल किया था?' और ये आपके चयन के लिए मूल प्रश्न भी हो सकता है।

HONDA
The Power of Dreams
सच कर देंगे सपने
Universal Honda
Generation to generation
LOVE IS GROWING
LED HEADLAP AND POSITION LAMP
DIGITAL ANALOG METER WITH ECO SPEED INDICATOR
4-IN-1 LOCKWITH SEAT OPENING SWITCH
नए सफर की शुरूआत,
भरोसेमंद हमसफर
होंडा के साथ।
EFFORTLESS
STYLE
WITH SPORTY NEW FEATURES
SPORTIER GRAPHIC
DIGITAL ANALOGUE METER WITH SERVICE DUE INDICATOR & CLOCK
SPORTY TANK SHROUD
Activa 5G
NEW CB 125 Shine SP
Honda is HONDA
Universal Honda, Aastha Regency, Hehal, Ranchi-05, Ph.: 8578002084, 8578002085

उम्दा संभावनाओं के साथ सेवा का पेशा – व्यवहार चिकित्सक

● कुमार गौरव अजीतेन्दु

अगर आप लोगों को उनके मानसिक स्वास्थ्य में मदद करने में रुचि रखते हैं, तो एक व्यवहार चिकित्सक के रूप में अपना कैरियर बना सकते हैं। एक व्यवहार चिकित्सक (बिहेवियरल थेरेपिस्ट) अपने रोगियों में व्यवहार की पहचान करने और उसका इलाज करने के लिए अपनी स्वास्थ्य सेवा विशेषज्ञता का उपयोग करता है। दरअसल , व्यवहार चिकित्सा के जरिये मानसिक विकारों से ग्रस्त लोगों का इलाज किया जाता है।

बिहेवियरल थेरेपिस्ट के कार्य : व्यवहार चिकित्सक यानी बिहैवियरल थेरेपिस्ट एक नैदानिक चिकित्सक होता है जो मानसिक स्वास्थ्य विकार से पीड़ित लोगों की मदद करता है। रोग के कारण पहचानता है। रोगियों को अवांछित व्यवहारों की पहचान करने और उनका समाधान करने में मदद करता है। उनके कुछ रोगियों में भय या कुछ परेशान रिश्ते हो सकते हैं। व्यवहार चिकित्सक के लिए कुछ सामान्य कर्तव्य इस प्रकार हैं :

बिहैवियरल थेरेपिस्ट रोगियों को स्वस्थ व्यवहार विकसित करने में सहायता करता है। रोगी के व्यवहार पैटर्न का आकलन करता है और फिर उनके मानसिक स्वास्थ्य विकारों का निदान करता है। जरूरत के अनुसार, रोगी की उपचार योजना को समायोजित करता है। दरअसल , मरीजों के व्यवहार और विचार पैटर्न को समझने के लिए उनके साथ संवाद किया जाता है। इसके बाद ही रोगी की उपचार योजना और प्रगति पर दस्तावेजीकरण करना संभव होता है।

> “ **बिहेवियरल थेरेपिस्ट लोगों की मानसिक समस्याओं और उनके व्यवहार के विकारों के उपचार में मददगार की भूमिका निभाता है। उसके कार्यक्षेत्र में कई ब्रांच हैं। व्यवहार चिकित्सा का पेशा जहां सेवा का अवसर प्रदान करता है वहीं आय के नजरिये से भी फायदेमंद है। यानी वेतन भी आकर्षक है।** ”

ऐसे बनें व्यवहार चिकित्सक : अगर आप बतौर व्यवहार चिकित्सक कैरियर बनाना चाहते हैं तो कुछ निश्चित प्रमाण–पत्र प्राप्त हैं जो आपको रोजगार पाने में मदद करने के लिए मददगार साबित हो सकते हैं। सबसे पहला चरण है कि उम्मीदवार स्नातक की डिग्री हासिल करें। यह डिग्री प्राप्त करके एक व्यवहार चिकित्सक के रूप में अपना कैरियर शुरू किया जा सकता है। इस डिग्री के साथ ही मनोविज्ञान, सोशल वर्क या संबंधित स्वास्थ्य या विज्ञान की डिग्री जैसे विषयों में प्रमुखता से विचार करना चाहिये। ये डिग्रियां आपको व्यवहार चिकित्सक के रूप में कैरियर के लिए आवश्यक आधारभूत ज्ञान प्रदान कर सकती हैं।

मास्टर डिग्री हासिल करें : अपनी स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद, मास्टर डिग्री प्रोग्राम के लिए आवेदन करें और उसे पूरा करें। कई नियोक्ताओं कि जरूरत होती है कि उम्मीदवार काउंसलिंग या मनोविज्ञान में मास्टर डिग्री पूरी कर चुका हो। स्नातक डिग्री उम्मीदवार के रूप में, आप इस क्षेत्र में विशेष और उन्नत पाठ्यक्रम लेने की उम्मीद कर सकते हैं। कहीं–कहीं स्नातक करने के बाद शोध करने और क्लिनिकल सेटिंग में कुछ अनुभव लेने की भी जरूरत हो सकती है।

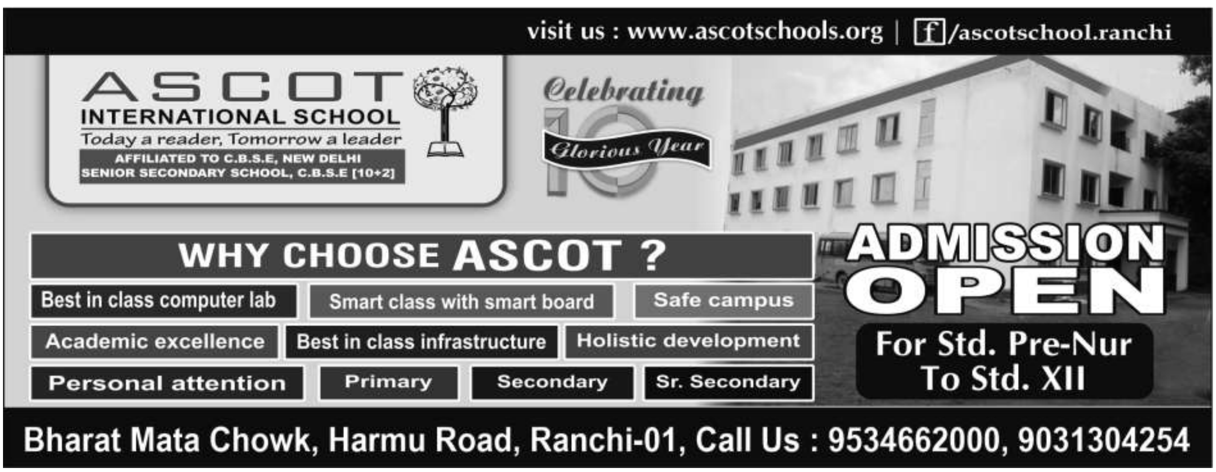

SARALA BIRLA PUBLIC SCHOOL

(A Unit of Bharat Arogya & Gyan Mandir)
Affiliated to CBSE, Delhi, Affiliation No.:3430269
Birla Knowledge City, Ranchi-Purulia Highway, Village - Ara, P.O.- Mahilong,
Ranchi - 835103 (Jharkhand)

+91 - 9507035717 | 9507035987
info@sbpsranchi.com
www.sbpsranchi.com

International Dimension in Schools 2022-25

तमसो मा ज्योतिर्गमय

डॉक्टरेट की डिग्री: डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करके अपनी शिक्षा को आगे बढ़ाने पर विचार करें। यदि आप शोध करना चाहते हैं या शिक्षा जगत में रोजगार पाना चाहते हैं, तो डॉक्टरेट की डिग्री हासिल करना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। आप इस डिग्री के साथ क्लिनिक सुपरवाइजर भी बन सकते हैं।

बिहैवियरल थेरेपिस्ट बनने के फायदे

एक व्यवहार चिकित्सक के रूप में, आप कई तरह के सेटअप में नौकरी पा सकते हैं। वहीं आप कई तरह से मानसिक विकारों से ग्रस्त लोगों को ठीक होने में मदद कर सकते हैं, जिनमें शामिल हैं:

दूसरों की मदद करने की क्षमता: व्यवहार चिकित्सक विभिन्न प्रकार के रोगियों की सेवा करते हैं, उनके अस्वस्थ विचार पैटर्न या व्यवहार की पहचान करने और उन्हें ठीक करने में मदद करते हैं। यह अवसर आपके काम को और अधिक संतोषजनक बना सकता है और आपको अधिक संतुष्टि प्रदान कर सकता है। उच्च वेतन : स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के रूप में, व्यवहार चिकित्सक अक्सर उच्च वेतन कमाते हैं। आप अपने अनुभव के स्तर और डिग्री के प्रकार के आधार पर अधिक कमा सकते हैं।

वर्क–लाइफ बैलेंस : एक व्यवहार चिकित्सक के रूप में, आप अक्सर अपने काम करने के घंटे स्वयं निर्धारित कर सकते हैं, ताकि आपकी नौकरी और व्यक्तिगत जीवन के बीच बेहतर संतुलन कायम रह सके।

लाइसेंस लेना है जरूरी

कई राज्यों में व्यवहार चिकित्सक बनने से पहले आपको अपना लाइसेंस प्राप्त करना आवश्यक हो सकता है। ऐसा करने के लिए, आपको एक परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी जो इस क्षेत्र में आपके ज्ञान का परीक्षण करती है। आवश्यकताओं को तय करने के लिए अपने राज्य के लाइसेंसिंग बोर्ड से संपर्क करें।

सतत शिक्षा पूरी करें

इस पेशे में शिक्षा जारी रखकर इसे बनाए रखना महत्वपूर्ण है। इसमें अक्सर हर साल निरंतर शिक्षा के कुछ निश्चित घंटे पूरे करने होते हैं। ऐसा करने के लिए, आपको सेमिनार या संबंधित पाठ्यक्रमों में भाग लेने की आवश्यकता हो सकती है।

क्रिएटिविटी के साथ शानदार कमाई वाला पेशा–रचनात्मक लेखन

● **पूजा पण्डया**

जिन युवाओं की लिखने में रुचि है, कल्पनात्मक क्षमता के साथ ही उसे प्रस्तुत करने की कला व स्किल्स से लैस हैं व कंटेंट बनाना चाहते हैं, उनके लिए रचनात्मक लेखन अच्छा कैरियर विकल्प हो सकता है। टेक्निकल राइटर, कम्युनिकेशन मैनेजर, कंटेंट राइटर, प्रोफेसर, सम्पादक, पब्लिक रिलेशन आफिसर, तथा पत्रकार के रूप में कैरियर बना सकते है। प्रिंट मीडिया, सैटेलाइट मीडिया और फिल्मी दुनिया में किएटिव राइटर्स की बहुत मांग है।

क्रिएटिव राइटिंग में कैरियर एक रचनात्मक और लाभकारी कैरियर बन सकता है। लेखन के क्षेत्र की यह विधा बेहद कलात्मक है। इस क्षेत्र से जुड़े लोग वास्तव में रचनात्मक लेखक को पहले उपन्यासकार, कवि, गीतकार आदि विभिन्न नामों से जाना जाता था। लेकिन आजकल इसका एक बहुत फैंसी तथा लोकप्रिय नाम मशहूर है वह है क्रिएटिव राइटर। क्रिएटिव राइटर्स के पास लेखन में जादुई शक्ति होती है और अपने काम के माध्यम से, वे पाठकों को प्रभावित कर सकते हैं और उन्हें मंत्रमुग्ध या खुश कर सकते हैं। आमतौर पर लोग इस काम को आसान मानते हैं, जबकि लेखन बनाना एक लंबी प्रक्रिया है जिसमें बहुत अधिक शोध और कड़ी मेहनत की आवश्यकता होती है। अगर आप भी लेखन में रुचि रखते हैं तो इस क्षेत्र में अपने कदम बढ़ा सकते हैं। जो युवा लिखना पसंद करते हैं और अपनी कल्पना का उपयोग करके कंटेंट बनाना चाहते हैं, उनके लिए एक अच्छा कैरियर विकल्प हो सकता है।

क्रिएटिव राइटिंग क्या है?

क्रिएटिव राइटिंग का उद्देश्य गद्य और काव्य छंदों के माध्यम से अपनी भावनाओं, कल्पनाओं और विचारों को व्यक्त करना है। विभिन्न तरह के लेखन जैसे उपन्यास, कविता, कहानी, नाटक, आत्मकथा, पटकथा लेखन, कॉपी राइटिंग आदि को क्रिएटिव राइटिंग कहा जाता है। क्रिएटिव राइटिंग में प्राकृतिक दुनिया के चित्र बनाने के लिए बहुत अधिक कल्पना, अवलोकन और एक जन्मजात क्षमता की आवश्यकता होती है। विभिन्न विषयों और शैलियों पर लेख पढ़कर एक अच्छा लेखक बन सकता है। हर तरह से जीवन का अनुभव करना और बहुत सारे मुहावरों, लहजों और स्थानीय भावों को सीखना और सुनना। रचनात्मक लेखन में कोर्स करके इस स्किल को डेवलप किया जा सकता है।

जॉब्स की संभावनाएं

क्रिएटिव राइटर्स के पास अवसरों की कोई कमी नहीं है। क्रिएटिव राइटर्स अपनी रुचि के अनुसार उपन्यास से लेकर संस्मरण, कविता, गीत, साइंस फिक्शन, रोमांस, स्क्रिप्ट, नाटक, यात्रावृत्तांत आदि लिख सकते हैं। साथ ही वह पत्र पत्रिकाओं के लिए रिपोर्ट, साक्षात्कार और समीक्षाएं लिख सकते हैं। वेब साइटों के लिए भी कंटेंट लिख सकते हैं या प्रिंट मीडिया के लिए लेख आदि। किसी एक संस्थान से जुड़कर काम कर सकते हैं या फिर फ्रीलांसिंग भी।

CAMBRIDGE INSTITUTE OF POLYTECHNIC

C.I.P. Ranchi

Approved by AICTE, New Delhi &
Affiliated to JUT, Ranchi & Government of Jharkhand

COURSES-DIPLOMA IN

MECHANICAL ELECTRICAL CIVIL CSE

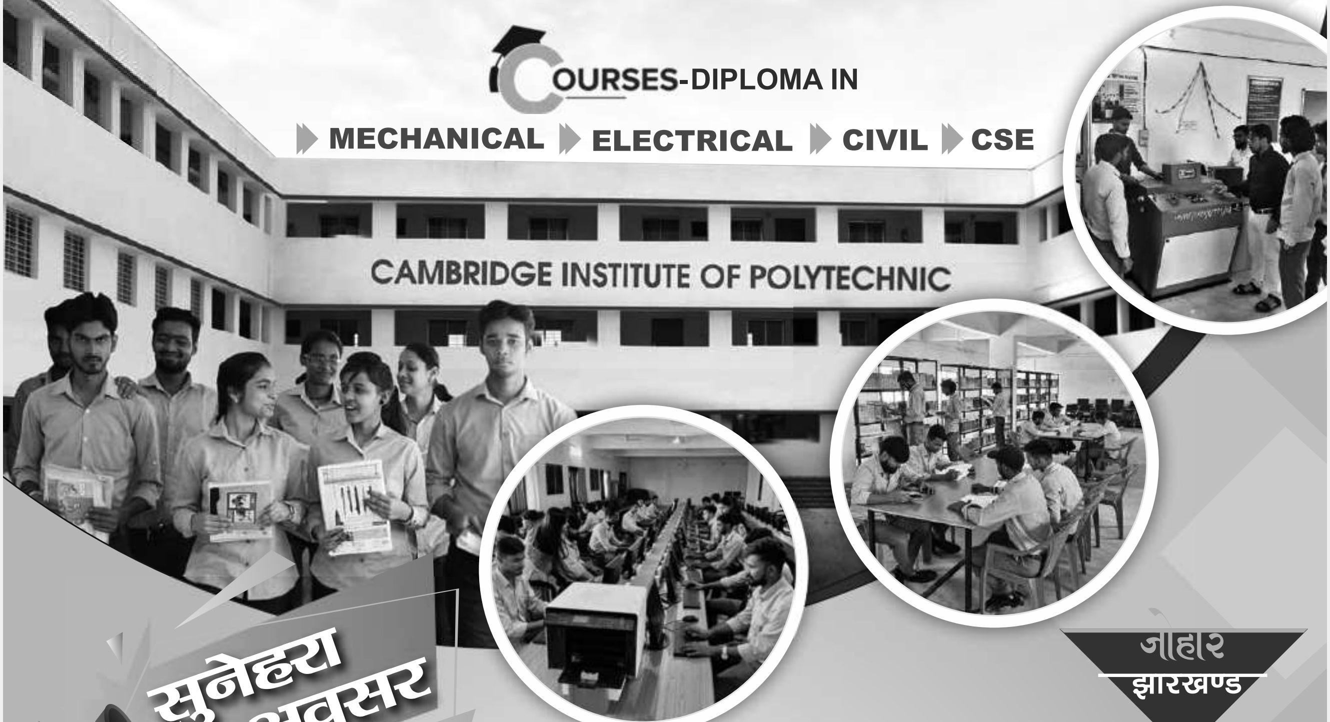

सुनेहरा अवसर

जोहार झारखण्ड

99% प्लेसमेंट रिकॉर्ड के साथ झारखण्ड के होनहार विद्यार्थियों के लिए अग्रणी कम्पनियों में अपना परचम लहराने का मौका।

गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई और अत्याधुनिक लैब सुविधा से अपने आप को बेहतर इंजीनियर बनाने का मौका।

अध्ययन सामग्रियों से सुसज्जित लाइब्रेरी से हजारों पुस्तकों का अध्ययन करे बिल्कुल मुफ्त में।

आवश्यक सुविधा युक्त कैंपस उपलब्ध।

Fee ₹ 500* per month only Limited Seats Only

Affiliated to JUT & Govt. of Jharkhand

AICTE APPROVED

झारखण्ड के SC/ST/OBC के वैसे सभी छात्र-छात्राएँ जो सरकार द्वारा ई-कल्याण स्कॉलरशिप के नियम एवं शर्त्तो को पूरा करते हैं के लिए सिर्फ रू 500/- मासिक शुल्क में

कैम्ब्रिज इंस्टीच्यूट ऑफ पोलिटेक्निक

बहेया, अनगड़ा, राँची में

डिप्लोमा इन इंजीनियरिंग करने का सुनहरा अवसर। *शेष राशि का भुकतान ई-कल्याण स्कॉलरशिप के द्वारा

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें

कैम्ब्रिज इंस्टीच्यूट ऑफ पोलिटेक्निक

बहेया, अनगड़ा, राँची में

9431680313, 9431581023, 7004122931 | www.cipranchi.ac.in

क्रिएटिव राइटिंग में टेक्निकल राइटर, कम्युनिकेशन मैनेजर, कंटेंट राइटर, प्रोफेसर, सम्पादक, पब्लिक रिलेशन आफिसर, तथा पत्रकार के रूप में सम्मानजनक कैरियर बना सकते है। आजकल प्रिंट मीडिया के साथ–साथ सैटेलाइट मीडिया और फिल्मी दुनिया में भी किएटिव राइटर्स की बहुत मांग है। क्योंकि वह युवा आबादी के टेस्ट के अनुसार लेखन कर सकते हैं।
क्रिएटिव राइटिंग की बड़ी कंपनियों को अच्छा वेतन मिलता है। युवा क्रिएटिव राइटिंग स्किल्स के आधार पर अच्छी जॉब ले सकते हैं। कंपनियों को राइटर की जरूरत होती है। क्रिएटिव राइटिंग में डिग्री होना एक प्रमुख लाभ है– इसके साथ आप अलग–अलग कैरियर ऑप्शन चुन सकते हैं। फाइनेंस, पीआर, एनजीओ, सॉफ्टवेयर, यात्रा, उपभोक्ता सामान, मीडिया, शिक्षा, कानून व सरकारी क्षेत्र में बेहतर जॉब के अवसर उपलब्ध हैं।

अनुभव व कौशल आधारित है आय

इस क्षेत्र में आमदनी आपके अनुभव व कौशल पर निर्भर करती हैं। शुरुआती दौर में एक क्रिएटिव राइटर पच्चीस से पचास हजार रुपए प्रतिमाह कमा सकता है। इसके बाद अनुभव बढ़ने के बाद आपका काम व आमदनी दोनों बढ़ते चले जाते हैं। एडवर्टाइजिंग और फिल्म जैसे माध्यमों के सफल क्रिएटिव राइटर्स की आय लाखों रुपए तक पहुंच जाती है। लेकिन इसके लिए बहुत ज्यादा क्रिएटिविटी की जरूरत होती है जो अनुभव के साथ विकसित होती है।

शैक्षिक योग्यताएं

वैसे तो क्रिएटिव लेखन में कैरियर बनाने के लिए किसी औपचारिक शिक्षा की विशेष आवश्यकता नहीं है। लिखने की प्रवृत्ति अक्सर मौलिक तथा प्रकृति प्रदत्त होती है। फिर भी यदि आपको बाहर जाकर किसी संस्थान में इस क्षेत्र से जुड़ना है तो इसके लिए जनसंचार और पत्रकारिता की उपाधि सबसे ज्यादा उपयोगी है। हिन्दी तथा अंग्रेजी साहित्य में पोस्ट ग्रेजुएट डिग्री कैरियर की राह आसान बनाती है। भारत में कुछ संस्थान रचनात्मक लेखन में शार्ट टर्म कोर्स कराते हैं और इन पाठ्यक्रम के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता हायर सेकंडरी या 10+2 होनी चाहिए। इनकी न्यूनतम अवधि एक वर्ष है। क्रिएटिव राइटिंग में कैरियर के लिए ग्रेजुएशन की डिग्री आपको मजबूत नींव दे सकती है और विभिन्न लेखन कौशल सिखा सकती है जबकि क्रिएटिव राइटिंग की पीजी डिग्री क्रिएटिविटी व लेखन को और बेहतर बनाने में मदद करती है।

अतिरिक्त योग्यताएं

क्रिएटिव राइटिंग में कैरियर बनाने वालों में उत्कृष्ट लेखन, व्याकरण, और शैली कौशल का होना आवश्यक है। इसके साथ उनमें जानकारी एकत्र करने और सटीक लेखन के लिए स्रोत ढूंढने की क्षमता हो।
ऐसे युवाओं में रचनात्मक लेखन चुनौतियों को हल करने और रचनात्मक समाधान ढूंढने की क्षमता अतिरिक्त योग्यता है। वहीं सर्वाधिक उपयोगी है संचार कौशल। जिससे वह दूसरों के साथ स्पष्ट संवाद करने और लेखन को प्रभावी ढंग से पेश करने की क्षमता विकसित कर सकते हैं। यदि उनमें समय सीमा में काम पूरा करने और बहु–कार्य के लिए समय प्रबंधित करने की क्षमता हो तो उन्हें इस क्षेत्र मे शीर्ष पर पहुंच सकते हैं। वहीं ज्यादा से ज्यादा पढ़ें तथा नियमित ब्लॉग आदि लिखें। लेखन को जारी रखें और सुधार करते रहें। उसे कंप्यूटर का ज्ञान होना व इंटरनेट में आवश्यक सामग्री खोजने की कला आनी चाहिए।

प्रमुख संस्थान

इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी, नई दिल्ली, डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर मीडिया स्टडीज, अहमदाबाद, कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, दिल्ली कॉलेज ऑफ आर्ट्स एंड कॉमर्स, नई दिल्ली, भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली, महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, केरल विश्वविद्यालय,

CAMBRIDGE INSTITUTE OF TECHNOLOGY

Tatisilwai, Ranchi – 835103, Jharkhand
Approved by AICTE, New Delhi,
Affiliated to Jharkhand University of Technology,
Govt. of Jharkhand

Estd. 2001

Our Vision- “Quality Education”

Our honourable President her excellency
Smt. Droupadi Murmu
(then Governor, Govt. of Jharkhand)
with our Chairperson ***Smt. Janki Devi***

22 *Years of Academic Excellence*

- **500+** Campus Placement Drives
- **22+** Years of Academic Excellence
- **300+** Top Notch Companies Visited
- **16LPA** Highest Package

Our Teaching Staff

SALIENT FEATURES

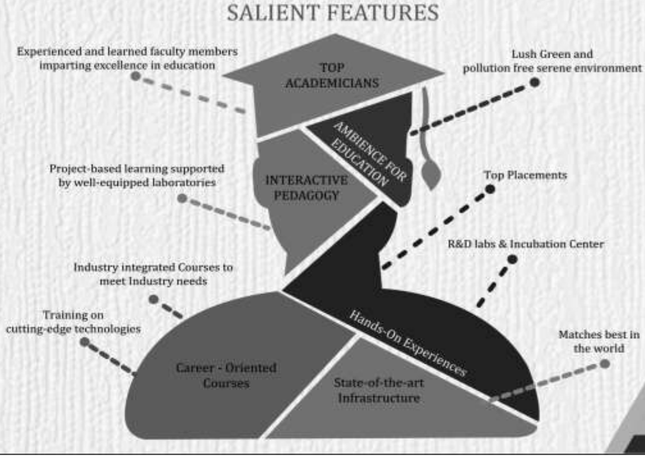

Contact for Admission Enquiry

9431680313, 9431581023
7004122931
adm@citranchi.ac.in
secretarycambridge@gmail.com
www.citranchi.ac.in

Scan QR Code : Website Instagram Facebook

2535_08_2022 Kailash Paper, Ranchi • 1800 889 4101

डॉ. शीतल कुमारी
ब्यूरो रिपोर्टर

योग में शिक्षा और शिक्षा में योग

वर्तमान समय में योग हमारे करियर बनाने में एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका तो निभाता ही है साथ ही योग को करियर के रूप में भी अपनाने के नये दरवाजे खोल रहा है और योग में शिक्षा प्राप्त की जा रही है । अर्थात आज के युवा योग को एक करियर के रूप में भी देख रहे हैं इसके अंतर्गत टीचर ट्रेनर बन सकते हैं इसके अलावा रिसर्चर या कॉर्पोरेट में योग इंस्ट्रक्शन का भी करियर अच्छा ऑप्शन है। कई शिक्षण संस्थानों में योग की शिक्षा दी जा रही है। इसके लिए कोर्स करवाए जा रहे हैं इतना ही नहीं यहां से योग की शिक्षा प्राप्त कर विदेशों में भी योग की शिक्षा दे रहे हैं। योग की शुरूआत भारत में ही हुई थी इसलिए यहां इंस्ट्रक्टर के डिमांड विदेश में खूब है। 12वीं के बाद इसके कोर्स के कई रास्ते खुल जाते हैं देश के कई विश्वविद्यालय इस पर कोर्स करवा रहे हैं इसमें शुरू से लेकर पीएचडी तक कर सकते हैं जिसमें से हमारे शहर के भी दो विश्वविद्यालय रांची यूनिवर्सिटी और डीएसपीएयू में योग शिक्षा के लिए कोर्स करवाए जा रहे हैं।आरयू के योग विभाग के निदेशक डॉ सुनील कुमार सिंह के अनुसार रांची यूनिवर्सिटी में योग की शिक्षा की शुरुआत 2017 में हुई यहां तीन कोर्स होते हैं। पीजी डिप्लोमा 1 वर्ष का है जबकि एमएससी मास्टर डिग्री 2 वर्ष का और बीएससी इन योग साइंस 3 वर्ष का है। अभी यहां तीनों बैचो में 200 विद्यार्थी है। वर्ष 2017 से अब तक 500 से अधिक विद्यार्थी पास आउट होकर करियर देश विदेश में बना चुके हैं योग में बच्चों की शिक्षा के लिए 7 शिक्षक है। नेट के 22 विद्यार्थी भी है दो विद्यार्थियों ने जेआरएफ भी निकाल लिया है। 2023 में लड़कियों ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी में 246 विश्वविद्यालय में दूसरा स्थान प्राप्त किया था। वही 2024 में भी खेलो इंडिया में यहां के छात्रों ने तीसरा स्थान पाया। रांची यूनिवर्सिटी के तहत स्कूल का योग में बीएससी इन योग साइंस 3 वर्षीय कोर्स का के लिए नामांकन प्रारंभ हो गया है। चांसलर पोर्टल के माध्यम से इच्छुक व्यक्ति आवेदन कर सकते हैं। इस कोर्स को करने के उपरांत विद्यार्थी विभिन्न शैक्षणिक और गैर शैक्षणिक संस्थान में योग प्रशिक्षण के रूप में सेवा देने के लिए पात्र हो जाएंगे अधिक जानकारी के लिए मोराबादी स्थित स्कूल आफ योग के कार्यालय में एवं विभाग की वेबसाइट पर लॉगिन कर जानकारी ले सकते हैं 3 वर्षीय कोर्स करने के बाद योग के करियर में असीम संभावनाएं उपलब्ध हो जाती है इसी प्रकार डीएसपीएएमयू में 6 साल से योग की शिक्षा दी जा रही है । डीएसपीएमयू में पिछले 6 वर्षों में यहां विद्यार्थियों ने योग को की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं इस समय तीन बैच में 60 विद्यार्थी पढ़ रहे हैं। तीन बैच में 20 – 20 के हिसाब से विद्यार्थी शामिल होते हैं 4 वर्ष में कोर्स पूरा होता है। इस वर्ष भी 4 बैच शुरू किए जाएंगे ।साथ ही साथ चारों बैच में 10–10 की संख्या विद्यार्थियों की बढ़ाने का निर्णय लिया गया है विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को भी योग का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

ST. GABRIEL & MONICA SCHOOL
A Unit of "CLARA EDUCATION TRUST" (Reg. No 411/54)
C.B.S.E. Pattern English Medium Co-educational School
Play Group to Std-X
Morhabadi, Edalhatu, Ranchi-834008 (Jharkhand)

■ पी. चटर्जी
एडुकेशनल काउंसलिंग

Utility of Yoga in Ancient and Modern Era

Yoga, derived from the Sanskrit root 'Yuj' meaning "to unite," is far more than a mere system of physical exercise. It is a science of holistic health that integrates the body, mind, emotions, & spirit. It aims to harmonize human existence with universal consciousness. In both ancient andmodern contexts, yoga has served as a means to achieve balance, self-realization, and well-beingat every level— physical, mental, social, and spiritual.

Historical Background of Yoga

1. Pre-Vedic and Vedic Era:
The roots of yoga trace back over 5,000 years. In the pre-Vedic age, practices of meditation & rituals can be seen in archaeological findings from the Indus Valley Civilization (e.g., Pashupati seal). During the Vedic era (1500–500 BCE), yoga was deeply intertwined with rituals, chants(mantras), and spiritual discipline. The Rigveda, Yajurveda, Samaveda, and Atharvaveda containhymns that reflect yogic philosophy and concentration practices.

2. Upanishadic and Epic Period:
The Upanishads introduced the idea of Atman (soul) and Brahman (universal consciousness), establishing the spiritual foundation of yoga. The Bhagavad Gita, part of the Mahabharata,outlines various paths of yoga—Bhakti, Karma, Jnana, and Raja Yoga.

3. Classical and Post-Classical Period:
Patanjali's Yoga Sutras (circa 200 BCE) systematized yoga into the eightfold path (Ashtanga Yoga), focusing on ethical discipline, posture, breath control, meditation, and liberation. Later,Hatha Yoga evolved with an emphasis on physical purification and energy awakening, prominently detailed in texts like Hatha Yoga Pradipika and Gheranda Samhita

4. Modern Revival to Present Day:
From the 19th century, yoga gained global recognition through great masters like Swami Vivekananda, Sri Aurobindo, Swami Sivananda, and T. Krishnamacharya. Their disciples further spread yoga in the West. Today, yoga is practiced worldwide, integrated into medical science, fitness regimes, therapy, and education.

Utility of Yoga in Ancient and Vedic Ages:
In ancient times, yoga was a spiritual discipline practiced primarily by sages, monks, and householders for self-realization. It was used to:

- Maintain physical health and vitality (through Asanas and Pranayama)
- Control mind and emotions (through Dhyana and Mantra Sadhana)
- Achieve spiritual goals like Moksha (liberation) and Samadhi (absorption)

Gurukuls and ashrams were centers for yogic training, emphasizing character building, ethical living, and spiritual elevation.

- The Ministry of Youth Affairs and Sports has officially recognized yoga as a sports discipline.
- Institutions like the Sports Authority of India (SAI) promote yoga as a tool forenhancing performance and recovery.
- Yoga is included in events like Khelo India and efforts are underway for its inclusion in Olympic disciplines.

Utility of Yoga in the Modern Era

In the present age, yoga has become a universal tool for health and wellness. Its utility now includes:

- Preventive and therapeutic health care: Used in managing diseases like hypertension,diabetes, obesity, and depression.
- Stress management: Yoga is widely used to reduce anxiety, burnout, and mental fatigue, especially among professionals and students.
- Education system: Included in school curricula for overall personality development and concentration.
- Workplace wellness: Many corporates include yoga sessions to improve employee health and produc-tivity.

Recognition of Yoga at the Global and National Level

International Yoga Day On 11th December 2014, the United Nations proclaimed 21st June as International Day of Yoga, following the proposal by Indian Prime Minister Shri Narendra Modi. The day is now celebrated across the globe, highlighting yoga's global acceptance as a tool for peace and health.

AYUSH Ministry (Government of India)

The Ministry of AYUSH promotes Yoga along with Ayurveda, Unani, Siddha, andHomeopathy. It regulates yoga education, research, and therapy through instituti-ons like:

- Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY)
- Central Council for Research in Yoga and Naturopathy (CCRYN)

Recognion by Sports and Olympic Bodies

Benefits of Yoga for Holistic Development

1. **Physical Health:**
- Improves flexibility, strength, posture
- Enhances immune function and metabolism
- Aids in the prevention and management of chronic diseases

2. **Mental Health:**
- Reduces stress, anxiety, and depression
- Improves concentration, memory & emotional balance
- Promotes sound sleep and mental clarity

3. **Social Health:**
- Enhances interpersonal relationships
- Promotes compassion, tolerance, and social harmony

4. **Spiritual Health:**
- Connects with inner self and universal consciousness
- Encourages ethical living and self-awareness
- Facilitates personal transformation and inner peace

Courses and Career in Yoga

Today, various academic and professional courses in Yoga are available:

- Certificate, Diploma, and Degree Courses
- Postgraduate and Doctoral Studies (M.Sc., M.A., Ph.D. in Yoga)
- Career Opportunities:
  a) Yoga Instructor / Therapist, b) Researcher / Academician, c) Wellness Consultant, d) Holistic Health Coach
- Jobs in Schools, Universities, Health Clubs, AYUSH hospitals, and International Organizations

Yoga courses offered across India by leading Government and AYUSH affiliated institutions, their entry criteria, and official addresses (where available):

Courses	Institution	Course offered	Eligibility	Address
Certificate (1–6 months)	Morarji Desai National Institute of Yoga (MDNIY)	Foundation Course, Protocol Instructor, Yoga for Wellness Instructor	10th–12th pass	68-A, Lodi Road, New Delhi – 110003
	National Skill Development Training Centre (NSDTC, Delhi)	Yoga Therapy	5th class pass; register online; batch-based intak	Kotla Village, Mayur Vihar Phase I, Delhi–110091
Diploma (1–2 years)	MDNIY	Diploma in Yoga Science for Graduates (D.Y.Sc.)	Bachelor's with ≥50% marks	Same as above
	NSDTC	Diploma in Yoga	8th pass; register via NSDTC	
	Numerous State Universities	Diploma in Yoga / Yogic Science / Stress Mgmt	10+2/Bachelor's	BHU (Varanasi), Annamalai (Chennai), HNBGU (Garhwal)
Undergraduate (B.A./B.Sc./BNYS)	Kaivalyadhama (Pune)	B.A. Yogashastra – 3 yrs	10+2	Lonavla, Pune
	Shri Krishna AYUSH Univ. (Haryana)	B.Y.M.S. (Yoga Medicine & Surgery)	10+2 with science	Sector 8, Kurukshetra, Haryana
	SVYASA (Bengaluru)	B.Sc. Yoga & Vedic Therapy	10+2 with science	Prashanti Kutiram, Jigani, Anekal, Bengaluru
	Govt. Yoga & Naturopathy College (Maharashtra)	BNYS – 5½ yrs	NEET-Ayush	Uttur, Ajara, Kolhapur, Maharashtra
Postgraduate (M.A./M.Sc./PG-d	Kaivalyadhama	M.A. Yogashastra	B.A. Yogashastra	
Postgraduate (M.A./M.Sc./PG-d	SVYASA	M.Sc. Yoga Therapy	B.Sc. Yoga	
	Universities (e.g., BHU, HNBGU, Barkatullah U., Utkal U.)	M.A./M.Sc. Yoga	Graduation	
	GGSIPU via AYUSH Medical College	PG Diploma in Naturopathy & Yoga Science	Graduation	
Research / Ph.D.	Kaivalyadhama, SVYASA, University AYUSH dept.	Ph.D. in Yogashastra	Master's	

Government-run Yoga courses in Jharkhand

In School Of Yoga, RU

- Established **19 December 2017** under vocational scheme
- Runs a comprehensive spectrum: **Undergrad (B.Sc.) → Diploma → Postgraduate (M.Sc.)**, Yet to be launched **Certificate** →with **Add-on certificates** in Yoga & Lifestyle, Acupressure and Naturopathy.
- Admission process: watch for notifications on the **Ranchi University vocational department website**, generally based on academic merit and CBCS norms

Undergraduate (B.Sc. – 3 yrs)	School of Yoga, PG department, RU	B.Sc. in Yogic Science	10+2 from any stream[Science, Arts & Commerce]	Facilitation Centre, Basic & Applied Science Campus, Morabadi, Ranchi – 834008
PG diploma(1Yr)	Same	PG diploma in Yogic Science	Graduation from any stream	Same
M.Sc(2Yrs)	Same	M.Sc in Yogic Science	Graduation from any stream	Same

Conclusion :

Yoga, the ancient Indian gift to humanity, has stood the test of time from Vedic seers to modern scientists. As a science of holistic health, it continues to serve as a bridge between ancient wisdom and contemporary needs. Its growing global acceptance, integration into healthcare and education, and recognition at the international level affirm its timeless value. In an age marked by stress, disconnection, and disease, yoga shines as a beacon of hope for individual well-being and collective human evolution.

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर रांची के विभिन्न स्कूलों में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते बच्चें।

कैरलि स्कूल धुर्वा, रांची

स्वामी विवेकानन्द विद्या मंदिर धुर्वा, रांची

डीएवी नीरजा सहाय, कांके रांची

■ अजय दीप वाधवा
कर/वित्त/लेखा विशेषज्ञ,
कैरियर काउंसेलर

Choice between "Get up" and "Give up"

"Swami Vivekananda used to say that a healthy mind resides only in a healthy body."

It means if our body is not healthy, we can never become an intelligent and successful person and we cannot take correct and rational decisions.

An ill person always thinks about his illness and its medicines. His mind never allows him to concentrate on his work, business, studies or any social event. Few months back, I had seen a Hindi Movie, Piku, where the lead character would always think, talk and concentrate on constipation, which was the main reason of his poor health. This film was very much liked by the common men because it was a depiction of reality that a person, suffering with any illness or health related problem, would always think about his problems and its probable remedies or treatment and he would never think about anything else.

The message is clear that if a person wants to do wonders in the professional life, he must have a fit body so that his mind could concentrate on his professional and social development in place of illness.

But a healthy body does not come easily. It requires commitment from human being. A committed person rises early in the morning, goes for a walk or goes to gym, eat healthy food and takes at least 7 hours sleep daily. Simultaneously he avoids junk food, smoking, frequent drinking and other bad habits.

It means, if we have to be a healthy person, we have to be a man of commitment. As W.H. Murray famously said: "The moment one definitely commits oneself and then providence moves too. All sorts of things occur to help one that would never otherwise have occurred."

But it is also a fact that most of us are not committed towards good health. We usually take an oath to be healthy every year but never work hard to convert this oath into reality. Most of us set the alarm in our clocks for rising early in the morning but most of us still do not rise. Alarm bell rings but we put it off with a promise that we will rise and go for a walk tomorrow and again we go for sleep. But that "tomorrow" never comes - tomorrow never dies. We set alarm bells only for ringing but not for rising. Only 1% gives respect to the oath and rises early in the morning after being alert by alarm clock and goes for a walk or gym and remains healthy.

Basically, it is a choice of "Get up" or "Give up". If we chose "get up" we remain healthy, wealthy and wise. But if we choose "give up" we give up everything – health, wealth and success.

This choice of "Get Up" is more important for professional like CMAs or the students of Cost Accountancy.

In this regard, we must keep following points in our mind –

1. **If we move toward something, it will move towards us –**

   Paulo Kahlo has written in his book "Alchemist" – "If we want to succeed, the whole world conspires with us to make us successful." We should learn lesson from it and should not worry too much about unnecessary things. We should start increasing physical activities like exercise or jogging in place of unnecessary mental absurd activities. We must just start walking in the direction of the goal or dream of becoming fit. We should start doing whatever we can, however small, and then do the next thing. Success will be ours.

2. **Tension lene ka nahin, dene ka (Do not take tension, rather give it) –**

It is a Hindi film dialogue and partially correct. Stress is the cause of a staggering number of health problems and worsens medical condition. Stress causes us to age faster, throws our hormones out of whack, and makes us feel anxious & fearful. Small activities like yoga, breathing breaks, mini-meditations throughout the day, exercise, play, prayer, positive self-talk etc. keep us fit.

3. **Sleep at least 7 hours in a day -**

If we don't get enough sleep, everything else will suffer. Sleep deprivation (which most of us suffer from) puts us in a pre-diabetic state, messes with our metabolism, makes us dramatically more likely to be overweight, decreases our productivity, hampers our immune system, and makes us tired, moody, anxious and likely to be depressed.

4. **Be with ourselves, unapologetically -**

Many of us grew up focusing on what other people or society thought we should do. So many people get start feeling hopeless due to what other people think. Let us take our own decisions and decide our lives. Take care of ourselves in place of others.

5. **Be child like -**

It is wrong to grow up and be serious. Let us cultivate the very best of the child within us. Believe me; it will keep us young and healthy. Let us practice childlike awe for majestic things, childlike silliness, childlike faith, childlike hope, childlike play and creativity. When it comes to certain things, children do them way better than we do. Let us recapture it - it's still inside we people.

6. **Give the heart priority over head-**

It is important to have a realistic plan, and a back-up plan, but we should start the plan in our heart first. We should ask ourselves what do we love and then use our head to figure out how we might get there. Our head loves to make silly pronouncements like "we are too old", "that will never work", "who do you think you are" and "what will people think". But our heart's much kinder and more optimistic and keeps us far from unnecessary and unhealthy questions and problems.

7. **When our body says stop, we should listen to it -**

Learning to listen to our body is a major ingredient for lasting good health in life. Drink water when feel thirsty. Eat good food when hungry and stop when body says it's full. Sleep when body wants to. Stop pushing when feel tired. Take a vacation when every cell in the body and mind is screaming for it. Take a break when shoulders creep up around the ears or neck starts aching. Take really good care of the body, and listen to it. In turn, it will take really good care of us.

Let us make ourselves healthy professionals.

ST. ARVINDO ACADEMY

Affiliated to C.B.S.E. (Delhi) + 2

Behind Argora Housing Colony, Argora, Ranchi Jharkhand

Contact : 0651-3555455, 8252799128

Senior Secondary Co-Education

■ शशि प्रकाश
टेक्नोलॉजिक एक्सपर्ट

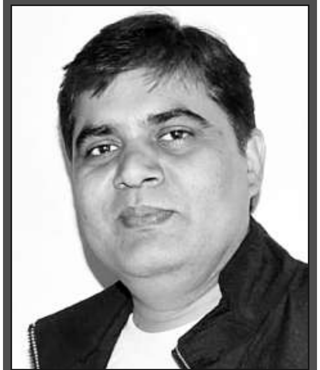

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का मानव जीवनशैली पर प्रभाव

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (Artificial Intelligence & AI) मानव जीवनशैली को कई तरीकों से प्रभावित कर रही है और आगे भी करेगी।

1.रोजमर्रा के कामों में सुविधा

AI के जरिए ऐसे उपकरण विकसित हो गए हैं जो घर के कामों में मदद करते हैं जैसेः

- स्मार्ट होम डिवाइसेज (जैसे Alexa, Google Assistant)
- रोबोट वैक्यूम क्लीनर
- स्मार्ट लाइट्स और थर्मोस्टेट्स

इन सबकी मदद से लोग अपने घर को स्मार्ट बना रहे हैं और समय तथा मेहनत दोनों बचा रहे हैं।

2. स्वास्थ्य सेवा (Healthcare)

AI हेल्थकेयर में क्रांतिकारी बदलाव ला रही हैः

- बीमारियों की जल्दी पहचान (जैसे कैंसर या हार्ट डिजीज)
- वर्चुअल डॉक्टर और हेल्थ बॉट्स
- व्यक्तिगत इलाज की सिफारिश

इससे इलाज ज्यादा तेज, सस्ता और सटीक हो गया है।

3. शिक्षा में बदलाव

AI शिक्षा के क्षेत्र में भी मदद कर रही हैः

- पर्सनलाइज्ड लर्निंग (हर छात्र के अनुसार कंटेंट)
- ऑनलाइन क्लासेस में चौटबॉट सपोर्ट
- भाषाओं का अनुवाद और ट्यूटरिंग ऐप्स

इससे सीखना कहीं भी और कभी भी संभव हो गया है।

4. रोजगार और नौकरी पर प्रभाव

AI के कारणः

- कुछ पारंपरिक नौकरियाँ कम हो सकती हैं (जैसे डेटा एंट्री, मैन्युअल टेस्टिंग)
- नई नौकरियाँ बन रही हैं (जैसे AI डेवलपर, डेटा साइंटिस्ट)

इसका मतलब यह है कि लोगों को नई तकनीक सीखनी पड़ेगी ताकि वे नई नौकरियों के लिए तैयार रहें।

5. परिवहन में क्रांति

- सेल्फ–ड्राइविंग कारें
- स्मार्ट ट्रैफिक सिस्टम
- AI आधारित नेविगेशन

इससे सफर अधिक सुरक्षित, तेज और सुविधाजनक होगा।

6. मनोरंजन (Entertainment)

AI आपकी पसंद के अनुसारः

- म्यूजिक और मूवी सिफारिश करता है (जैसे Netflix Spotify)
- गेम्स में स्मार्ट विरोधी बनाता है
- चौटबॉट्स और वर्चुअल रियलिटी का अनुभव देता है

7. सामाजिक और नैतिक प्रभाव

AI के जरिए बहुत सारा डेटा इस्तेमाल होता है, जिससेः

- निजता (Privacy) की चिंता बढ़ रही है
- भेदभाव (Bias) वाले निर्णय हो सकते हैं
- निगरानी (Surveillance) बढ़ सकती है

इसलिए AI के विकास के साथ–साथ इसे नैतिक रूप से नियंत्रित करना भी जरूरी है।

निष्कर्ष (Conclusion)

कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन को अधिक आसान, कुशल और स्मार्ट बना रही है, लेकिन इसके साथ कुछ चुनौतियाँ भी हैं। अगर इसे सही दिशा में और जिम्मेदारी के साथ उपयोग किया जाए, तो यह इंसानों की जीवनशैली को बेहतर बना सकती है।

एक बात हमेशा याद रखें जिंदगी आपको हर दिन एक नया मौका देती है।
Always remember that life gives you a new chance every day.

Education is our passport to the future, for tomorrow belongs to the people who prepare for it today
- MalcolmX